THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

साप्ताहिक हिन्दी संमाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर

RJHIN/25/A 4779

www.theuncoveredupdate.com | जयपुर, सोमवार 20 जुलाई, 2026 | » वर्ष: 01 | » अंक: 33 | » पृष्ठ: 8 | » मूल्य: 2.00 रू.

जम्मू-कश्मीर में बाढ़-भूस्खलन से तबाही, 11 मौतें

मलबे से 2 साल के मासूम का शव निकाला, उत्तराखंड में भी लैंडस्लाइड

नई दिल्ली/जयपुर

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है।

पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए।

किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं।

उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

अरुणाचल में बाढ़ से डेढ़ लाख प्रभावित, केदारनाथ रूट पर लैंडस्लाइड

अरुणाचल में बाढ़ और भूस्खलन के इस दौर में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, 29 लोग घायल हुए हैं और 1,49,257 लोग प्रभावित हुए हैं। मानसून की मार से कुल 26 जिले, 328 सर्कल और 576 गांव प्रभावित हुए हैं।

इधर, पिथौरागढ़ में, कैलाश-मानसरोवर यात्रा का चौथा जत्था, जिसमें 50 तीर्थयात्री शामिल हैं धारचूला बेस कैंप में रोक दिया गया है। बेस कैंप के इंचार्ज धन सिंह बिष्ट ने बताया कि गरबाधार में भूस्खलन के कारण गुंजी जाने वाला रास्ता बंद हो गया है।

राजस्थान में 3 दिन तेज बारिश की चेतावनी

बीकानेर। राजस्थान में मानसून का असर एक बार फिर दिखाई दे सकता है। पहले पूर्वी और बाद में पश्चिमी राजस्थान में बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर ने रविवार को प्रदेश के 15 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, पिछले 24 घंटों में प्रदेश में सबसे ज्यादा बारिश दौसा के बसवा में 32 एमएम (मिलीमीटर) दर्ज की गई है। अलवर, धौलपुर, बूंदी और कोटा के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में इस सीजन में अब तक सामान्य से 25 फीसदी कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान के अधिकांश हिस्सो में कमजोर मानसूनी परिस्थितियां आगामी दो-तीन दिन तक जारी रह सकती हैं।

हालांकि कोटा, भरतपुर, जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में 20-21 जुलाई से बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

पश्चिमी राजस्थान में भी होगी बारिश: मौसम विभाग के अनुसार 22 से 28 जुलाई के दौरान जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में भी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान केवल श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के कुछ हिस्सों में ही हल्की बारिश हुई है।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला-वांगचुक को इलाज के लिए उठाना गलत नहीं

सरकार-पुलिस से 3 दिन में जवाब मांगा, अंतरिम आदेश नहीं दिया

नई दिल्ली

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- स्वास्थ्य बिगड़ने और डिवीजन बेंच के आदेश के कारण उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

सरकार की इस कार्रवाई को मनमाना नहीं कहा जा सकता। वांगचुक को वहीं दवाएं दी जा रहीं, जिसमें उनकी रजामंदी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के साथ पुलिस को 3 दिन में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।

दरअसल सोनम की पत्नी गीतांजलि ने वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से प्राइवेट हॉस्पिटल शिफ्ट करने की मांग की थी। मामले में अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात 1:30 बजे इसके निर्देश मिले। फिर नई दिल्ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर मार्ग थाने में रणनीति बनाई। एक मिनट में बिना टकराव के वांगचुक को कैसे एम्बुलेंस तक ले जाएं, इसकी रिहर्सल की।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

2 साल बाद कोई टाइटल जीता, यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

टोक्यो

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।

31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।

यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

मानसून सत्र से पहले 3 घंटे सर्वदलीय बैठक

रिजिजू बोले- सबने अपनी बात रखी, कल वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

नई दिल्ली

मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, DMK सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने TMC के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद कहा कि, मीटिंग में अच्छी चर्चा हुई। सबने अपनी बात रखी। सदन बिना रुकावट चले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।

महुआ बोलीं- बागी सांसदों यहां क्यों

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है। महुआ ने सवाल उठाया कि 91वें संशोधन के बाद जब किसी अलग गुट की गुंजाइश ही नहीं है, तो संसदीय कार्य मंत्री ने इन 20 बागी सांसदों को किस आधार पर न्योता दिया? इसी के विरोध में पूरे विपक्ष ने बैठक का बहिष्कार किया है।

रिजिजू बोले- सदन सबका

NCPI के 20 लोकसभा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को हस्ताक्षरित आवेदन देकर नए दल के रूप में मान्यता और संसद में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की है। यह मामला स्पीकर के विचाराधीन है।

वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत

कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर जंगल में सड़क क्रॉस करते हादसा

कोटा

कोटा-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे में एक गाड़ी की टक्कर से हुए हादसे में वयस्क पैंथर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पैंथर जंगल से निकलकर सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन ड्राइवर मौके से फरार हो गया। यह हादसा चित्तौड़गढ़ जिले के मांडलगढ़ क्षेत्र में रविवार को करीब 12 बजे हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- घायल पैंथर सड़क किनारे काफी देर तड़पता रहा। हाईवे से गुजर रहे कई लोगों ने अपनी गाड़ियां रोककर उसे बचाने का प्रयास किया। वहीं वन विभाग को सूचना दी, लेकिन कुछ ही देर में पैंथर ने दम तोड़ दिया।

कोटा मुकुंदरा टाइगर रिजर्व के डीएफओ मुथू एस ने बताया- प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सड़क पार कर पैंथर दूसरी ओर जा रहा था, तभी किसी गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। वन विभाग हादसे की जांच में जुटा है।

घटना की सूचना मिलते ही मांडलगढ़ रेंज के वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पैंथर के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रवाना हुई। हाईवे पर पैंथर का शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

अभिषेक बोले- बंगाल में पुलिस की वर्दी में चोरी हुई, मेरा ऑफिस तोड़ा

कोलकाता हाईकोर्ट ने रोक लगाई

कोलकाता

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पश्चिम बंगाल पुलिस खुद कानून तोड़ने वाली बन गई है। यह बयान उन्होंने दक्षिण 24 परगना के अमतला स्थित अपने ऑफिस को तोड़े जाने के एक दिन बाद दिया।

शनिवार को जिला प्रशासन ने इमारत का अगला हिस्सा बुलडोजर से गिरा दिया था। आरोप था कि यह बिना मंजूरी के बना था। हालांकि रविवार को कोलकाता हाईकोर्ट ने इस तोड़-फोड़ पर रोक लगा दी है। साथ ही इसे अगली सुनवाई तक ज्यों का त्यों रखने का आदेश दिया है।

इससे पहले इमारत तोड़ने के बाद रात का एक वीडियो अभिषेक ने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। अभिषेक ने आरोप लगाया- बंगाल पुलिस बीजेपी के गुंडों के साथ मिलकर लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, टेबल, कुर्सियां और दूसरे फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रही है। यह तोड़-फोड़ नहीं थी बल्कि यह वर्दी में चोरी थी। जिसे कानून का कोई सम्मान किए बिना और हाई कोर्ट में मामला विचाराधीन होने के बावजूद अंजाम दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि दो नोटिसों का कोई जवाब नहीं मिलने के बाद प्रशासन ने आगे की कार्रवाई का फैसला लिया।

कॉन्स्टेबल की हत्या का आरोपी कोर्ट से भागा

सरेंडर करने आया था, जमानत न मिलने की आशंका पर फरार हुआ

दौसा

दौसा में 5 साल पहले पुलिस कॉन्स्टेबल हत्याकांड में वांटेड बदमाश कोर्ट में सरेंडर करने के बाद भाग निकला। उसे अंदेशा था कि उसकी जमानत नहीं हो पाएगी। ऐसे में, मौका पाकर बदमाश कोर्ट में रफूचक्कर हो गया। मामला दौसा के सिकराय कोर्ट का शनिवार का है। कोर्ट की रिपोर्ट पर मानपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

मानपुर थाना इंचार्ज सतीश कुमार ने बताया- आरोपी विजय मीणा को 2024 में कॉन्स्टेबल संजय गुर्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। केस ट्रायल के दौरान आरोपी बेल पर चल रहा था। 2026 जून में इसी मामले में पेशी थी।

आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। इसके बाद 16 को विजय मीणा के खिलाफ सिकराय कोर्ट ने अरेस्ट वारंट जारी किया था। शनिवार को यह कोर्ट में सरेंडर करने आया था। इस दौरान आरोपी विजय मीणा की पेशी होनी थी। जेल भेजने की आशंका के चलते यह भीड़ का फायदा उठा कर भाग निकला। इसी दिन कोर्ट में लोक अदालत भी चल रही थी। ऐसे में भीड़ का फायदा उठा कर भाग निकला।

मोबाइल हैक कर 98 हजार की साइबर ठगी

फर्जी सिस्टम अपडेट दिखाकर खाते से निकाली रकम

कोटा

कोटा में साइबर ठगों ने अब मोबाइल हैकिंग के जरिए लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा मामला उद्योग नगर थाना क्षेत्र के कंसुआ इलाके का है, जहां एक युवक के बैंक खाते से 98 हजार रुपए उड़ा लिए गए।

पीड़ित शिवराज कहार ने बताया कि 17 जुलाई की रात करीब 8 बजे उसके (CMF Nothing) फोन की स्क्रीन लगातार ऑन रही और उस पर सिर्फ सिस्टम अपडेटिंग लिखा दिखाई देता रहा। मोबाइल न तो बंद हो रहा था और न ही उसमें कोई अन्य काम किया जा सकता था। शिवराज को लगा कि फोन में बड़ा सॉफ्टवेयर अपडेट चल रहा है, इसलिए उसने फोन चार्जिंग पर लगाकर छोड़ दिया।

स्क्रीन पर दिख रहा था मोबाइलब बंद नहीं करें

सुबह तक भी मोबाइल की स्थिति नहीं बदली। इसके बाद वह अपनी मोबाइल शॉप पर पहुंचा, जहां उसने एक ग्राहक को भुगतान करने की कोशिश की, लेकिन पिन के अंतिम अंक दर्ज नहीं हो पा रहे थे। स्क्रीन पर बार-बार '35 मिनट तक मोबाइल बंद न करें' का संदेश दिखाई दे रहा था।

इसी दौरान दोपहर करीब 1 बजकर 4 मिनट पर उसके एसबीआई खाते से 98 हजार 1 रुपये ट्रांसफर होने का मैसेज आया। जांच करने पर पता चला कि राशि बैंक ऑफ बड़ौदा के एक खाते में भेजी गई है। रकम कटने की जानकारी मिलते ही शिवराज घबरा गया और तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

मोबाइल कैसे हैक हुआ, यह पता कर रही पुलिस

पीड़ित का आरोप है कि इसके कुछ देर बाद मोबाइल पूरी तरह बंद हो गया और दोबारा चालू होने पर उसमें मौजूद सभी ऐप और डाटा गायब थे। फोन बिल्कुल नए मोबाइल की तरह रीसेट हो चुका था।

फिलहाल पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मोबाइल कैसे हैक हुआ और रकम किस खाते में ट्रांसफर की गई।

मुख्यमंत्री ने नागौर के तिलानेश गांव में किया प्रातः भ्रमण

खेत में जाकर किसानों के साथ की निराई-गुड़ाई

- उन्नत एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का किया आह्वान
- बच्चों को दुलारा, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों से किया आत्मीय संवाद
- गांव की चौपाल पर ग्रामीणों के साथ की चाय पर चर्चा, विकास कार्यों की दी सौगात

नागौर/जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद सुबह प्रातः भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर ग्रामीणों से सहज और आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री सबसे पहले खेतों में पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों के साथ फसलों का अवलोकनकिया। उन्होंने खेती की वर्तमान स्थिति, उपज, सिंचाई व्यवस्था, कृषि लागत और किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं खेत में किसानों के साथ निराई-गुड़ाई की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा राज्य और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभाव का फीडबैक भी प्राप्त किया। प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले। उन्होंने महिलाओं से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, आजीविका एवं राजीविका गतिविधियों पर चर्चा की। युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों को लेकर संवाद किया। बुजुर्गों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली।

भीलवाड़ा को मिली डिजिटल सुविधा की नई पहचान, अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र शुरू

सांसद दामोदर अग्रवाल ने किया शुभारंभ, बोले– ई-गवर्नेंस से पारदर्शी और समयबद्ध होंगी जनसेवाएं

एक ही स्थान पर आधार नामांकन, अपडेट और बायोमेट्रिक की सभी सुविधाएं, बच्चों का अपडेट 30 सितंबर तक निःशुल्क

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। आधार संबंधी सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में भीलवाड़ा को रविवार को अत्याधुनिक आधार सेवा केंद्र की सौगात मिली। आज़ाद नगर स्थित नए वातानुकूलित केंद्र का शुभारंभ सांसद दामोदर अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के तहत ई-गवर्नेंस अब समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है और यह केंद्र आमजन को बेहतर, तेज एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शुभारंभ के दौरान सांसद ने स्वयं अपना आधार अपडेट कराया और नागरिकों से भी समय-समय पर आधार विवरण अपडेट करवाने की अपील की। केंद्र पर नए आधार नामांकन, नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, ई-मेल, फोटो एवं बायोमेट्रिक अपडेट सहित सभी सेवाएं यूआईडीएआई के निर्धारित मानकों के अनुसार उपलब्ध रहेंगी। केंद्र में टोकन सिस्टम, हेल्प डेस्क, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, दिव्यांगजनों के लिए रैंप और शिकायत निवारण जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। यूआईडीएआई अधिकारियों ने बताया कि नागरिक ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेकर भी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। साथ ही 5 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट 30 सितंबर 2026 तक निःशुल्क किया जाएगा। कार्यक्रम में यूआईडीएआई के उप महानिदेशक अविनाश अग्रवाल (आईटीएस), निदेशक कुमार उज्ज्वल सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मधुमेह से लेकर फिजियोथेरेपी तक, भाविप स्वामी विवेकानंद शाखा की निःशुल्क सेवाएं बनीं जनसहारा

भारत विकास भवन बना जनसेवा का केंद्र, रोज़ाना मिल रहा निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ, गुरु पूर्णिमा पर होंगे नए कार्यक्रम शुरू

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा/पंकज पोरवाल। भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा द्वारा शास्त्री नगर स्थित भारत विकास भवन में विभिन्न निःशुल्क सेवा प्रकल्पों का समर्पित भाव से संचालन किया जा रहा है। इन प्रकल्पों के माध्यम से आमजन को बिना किसी शुल्क के स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रविवार को आयोजित शिविर में आयुर्वेद पद्धति से निर्मित मधुमेह निवारक दवा का निःशुल्क वितरण किया गया। इसके साथ ही जोड़ों एवं घुटनों के दर्द से पीड़ित मरीजों को विशेष औषधीय मलहम भी उपलब्ध कराया गया। शिविर में सेवा दे रहे कार्यकर्ताओं ने बताया कि एक्यूप्रेशर पद्धति के माध्यम से बिना दवा और सर्जरी के जोड़ों के दर्द में राहत दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं फिजियोथेरेपी सेवाओं का भी बड़ी संख्या में लोग लाभ उठा रहे हैं। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योग गुरु कलकीराम के मार्गदर्शन में प्रतिदिन प्रातः 5.45 से 7.15 बजे तक नियमित योग एवं प्राणायाम कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। साथ ही प्रदीप हिम्मतरामका द्वारा संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और सात्विक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। परिषद के अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल, सचिव के.जी. सोनी एवं कोषाध्यक्ष आदित्य मानसिंहका ने बताया कि शीघ्र ही भारत विकास भवन के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु वंदन, छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन भी किया जाएगा। इन सेवा प्रकल्पों के सफल संचालन में प्रदीप जैन, बलवंत लढा, मनोज माहेश्वरी, गोविंद प्रसाद सोडाणी सहित परिषद के अनेक सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका से लौटी इंजीनियर की पत्नी, बेटी की कस्टडी मांगी

पति से बात करना किया बंद; पीहर वाले घर आकर ले गए थे गहने

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में सॉफ्टेवयर इंजीनियर की पत्नी शादी के 8 साल बाद अचानक पीहर चली गई। उसके कुछ समय बाद रिश्तेदार की शादी में जाने के बहाने ससुराल से गहने भी मंगवा लिए। इसके बाद पत्नी (सॉफ्टवेयर इंजीनियर) जॉब के लिए अमेरिका चली गई। करीब 2 साल बाद इंडिया लौटी, लेकिन ससुराल नहीं आई। पति से बात करना भी बंद कर दिया। फिर 8 साल की बेटी की कस्टडी के लिए केस कर ससुराल पक्ष को नोटिस भिजवा दिया। यही नहीं, जिन गहनों को उसके मायके वाले हड़प चुके थे, उनको मांगने का भी नोटिस में जिक्र कर दिया। नोटिस मिलने के बाद 17 जुलाई को ससुर (पति के पिता) ने बिंदायका पुलिस थाने में बहू के पिता और उसके चाचा के खिलाफ गहने हड़पने की एफआईआर दर्ज करवाई।

जयपुर में फाइनेंसर ने विवाहित से किया रेप

चेक बाउंस केस में फंसाने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल, 4 महीने तक की दरिंदगी

जयपुर(नि.सं.)। जयपुर में एक फाइनेंसर द्वारा ब्लैकमेल कर विवाहिता से रेप करने का मामला सामने आया है। उधार रुपए के बदले लिए ब्लैंक चेक को भरकर आरोपी महिला को जेल भेजने की धमकी देता था। पिछले 4 महीने तक ब्लैकमेल कर आरोपी ने विवाहिता का देहशोषण किया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी ने बताया- जयपुर की रहने वाली 24 साल की विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि आर्थिक जरूरत के चलते उसने आरोपी फाइनेंसर से 2 लाख रुपए उधार लिए थे। इसके बदले आरोपी ने उससे ब्लैंक चेक ले लिए। पीड़िता का आरोप है कि पूरी रकम लौटाने के बाद भी आरोपी लगातार एक्स्ट्रा पैसों की मांग करता रहा। आरोपी ब्लैंक चेक में बड़ी रकम भरकर बैंक में लगाने और चेक बाउंस के मामले में जेल भिजवाने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करता रहा।

कोर्ट बोला: बीमार पति की देखभाल नहीं करना क्रूरता: पत्नी का व्यवहार अमानवीय

दोनों का एक छत के नीचे रहना असंभव; तलाक मंजूर

जयपुर। जयपुर में फैमिली कोर्ट ने बीमार पति की देखभाल नहीं करने को क्रूरता मानते हुए तलाक की अर्जी को मंजूर किया है। जयपुर महानगर प्रथम की फैमली कोर्ट-5 के जज अनीश दाधीच ने अपने आदेश में कहा कि पत्नी का व्यवहार पति के साथ अमानवीय रहा है। बिना किसी उचित कारण के पति से झगड़ा करना, उसके माता-पिता, भाई-भाभी के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना, पति पर परिवार से दूर रहने का दबाव

डालना और बीमारी में पति की देखभाल नहीं करना मानसिक और शारीरिक क्रूरता है। पत्नी धर्म का पालन नहीं किया।

कोर्ट ने कहा- ऐसी परिस्थितियों में दोनों का एक ही छत के नीचे साथ रहकर वैवाहिक जीवन का निर्वहन करना असंभव है।

मैट्रिमोनियल साइट से हुआ था रिश्ता

मामले से जुड़े वकील दिवेश शर्मा ने बताया- जयपुर के रहने वाले आईटी प्रोफेशनल युवक और असम की रहने वाली आईटी प्रोफेशनल युवती का रिश्ता जीवन साथी डॉट कॉम (मैट्रिमोनियल साइट) से तय हुआ था। दोनों की शादी पूरे रीति-रिवाज के साथ 24 नवंबर 2019 को हुई। शादी के बाद दोनों दिल्ली में रहने लगे। शुरू में दोनों का वैवाहिक जीवन सही रहा। कुछ महीनों बाद पत्नी का व्यवहार बदल गया। वह बिना किसी कारण के पति से झगड़ा करने लग गई।

हाई रिस्क गर्भवती महिला की नियमित मॉनिटरिंग की जाए

मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभागों के विशेषज्ञों को शामिल कर प्रति सप्ताह समीक्षा की जाए

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को उपयुक्त अस्पताल (सीएचसी, उपजिला अस्पताल, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज) से मैप किया जाए तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एएनएम के साथ निगरानी में रखे और आवश्यकता पर डॉक्टर को तुरंत दिखाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वी.श्रीनिवास स्वास्थ्य भवन स्थित सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएचओ, आरसीएचओ, पीएमओ, संयुक्त निदेशक-जोन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यो व अस्पताल के अधीक्षकों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेबर रूम एवं ओटी के लिए जारी प्रोटोकॉल की पालना प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिला से जुड़ी एएनएम प्रति 3 दिन बाद व्यक्तिगत सम्पर्क करेगी। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक मातृ मृत्यु की समीक्षा संस्था स्तर पर एवं सामुदायिक स्तर पर रहे कारणों के साथ की जाए तथा अस्पतालों में बनाई गई मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए भी समीक्षा की जाए। उन्होंने गर्भवती महिला को प्रसव पूर्व, दो बच्चों के अन्तर, एनीमिया तथा पूर्व प्रसव के दौरान होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए गुड कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी बनाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन अस्पतालों में ओटी, आईसीयू, लेबर रूम आदि की क्रियाशीलता, उनमें उपचारित मरीजों की संख्या सहित अन्य जानकारी की प्रतिदिन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज की मृत्यु चिकित्सकीय लापरवाही से नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के न्यूट्रिशन एवं सुरक्षित प्रसव के संबंध में स्त्री रोग विशेषज्ञों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संतों के आशीर्वाद से गौ सम्मान आह्वान अभियान को मिली नई ऊर्जा

भीलवाड़ा जिले के कई क्षेत्रों में जनसंपर्क, 27 जुलाई के राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान से अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर चल रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत रविवार को जिले के शक्करगढ़, आसींद, जहाजपुर, मोड़ का निंबाहेड़ा, गुलाबपुरा व काछोला सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क किया गया। अभियान को संत समाज का समर्थन मिला। शक्करगढ़ में महामंडलेश्वर जगदीश पुरी महाराज, आसींद में महंत सुरेश दास महाराज एवं मालासेरी डूंगरी में महंत हेमराज पोसवाल ने अभियान का समर्थन करते हुए अधिक से अधिक लोगों से राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान से जुड़ने का आह्वान

किया। अभियान के दौरान ग्रामीणों, गौसेवकों, गौशाला संचालकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों से संवाद कर 27 जुलाई के कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया गया। इस दौरान संभाग प्रभारी नंदकिशोर साहू, जिला प्रभारी जगदीश तेली, अभियान संचालक बाबूलाल टाक एवं जिला सदस्य हरीश श्रोत्रिय मौजूद रहे।

महात्मा गांधी अस्पताल में हाई रिस्क प्रसूताओं के लिए 8 बेड की स्पेशल केयर यूनिट शुरू

24 घंटे विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी, जटिल गर्भावस्था के इलाज व सभी प्रमुख जांचों की रहेगी सुविधा

द अनकवर्ड अपडेट

भीलवाड़ा/केशव मिश्रा। महात्मा गांधी चिकित्सालय में हाई रिस्क (गंभीर) गर्भवती महिलाओं को बेहतर और सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराने के लिए 8 बेड की अत्याधुनिक स्त्री एवं प्रसूति रोग स्पेशल केयर यूनिट शुरू की गई है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देश पर शुरू की गई इस यूनिट में गंभीर स्थिति वाली प्रसूताओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया जाएगा। पीएमओ डॉ. अरुण गौड़ ने बताया कि अस्पताल में अब 24 घंटे वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे, जिससे आपातकालीन और जटिल मामलों का त्वरित प्रबंधन किया जा सके। साथ ही ऑपरेशन थिएटर की सुविधाओं का विस्तार कर प्रसूति सेवाओं को और अधिक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाया गया है। अस्पताल में एनीमिया,

उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, संक्रमण, बार-बार गर्भपात, पूर्व सिजेरियन, अत्यधिक रक्तस्राव, थायराइड, हृदय व किडनी रोग जैसी हाई रिस्क गर्भावस्था की विशेष निगरानी की जाएगी। इसके लिए बीपी, सीबीसी, ब्लड शुगर, ईसीजी, लिवर-फंक्शन, किडनी-फंक्शन, यूरिन एल्बुमिन और टीएसएच सहित सभी प्रमुख जांचें 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी। चिकित्सा अधीक्षक एवं स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा बहड़ ने गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि वे बिना किसी संकोच के चिकित्सालय में उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ उठाएं। नई यूनिट से जिले की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मदरसे में छात्राओं से सेफ्टी टैंक की सफाई कराना निंदनीय, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : बेढ़म

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेढ़म ने डीग जिले की पहाड़ी तहसील के मीलखेड़ा स्थित मदरसे में सेफ्टी टैंक की सफाई के दौरान हुए हादसे को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि अध्ययनरत छात्राओं से इस प्रकार का कार्य कराना नियमों के विरुद्ध, निंदनीय और शर्मनाक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह राज्यमंत्री ने शनिवार को भरतपुर सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में एक बालिका की मृत्यु अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। जबकि घायल छात्राओं का

अलवर के अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अलवर जिला प्रशासन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार द्वारा दिए गए हैं तथा डीग जिला कलक्टर पूरे मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं। बेढ़म ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्राओं से सेफ्टी टैंक की सफाई जैसा जोखिमपूर्ण कार्य कराना गंभीर लापरवाही है। इस घटना पर संस्थान के संचालकों के साथ-साथ समाज को भी आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और निष्पक्ष जांच के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक जनसुनवाई | **जेडीए की दैनिक जनसुनवाई से मजबूत हुआ आमजन का विश्वास**

डेढ़ माह में 17 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण के विजन तथा नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में जयपुर विकास प्राधिकरण के सुनियोजित विकास के साथ-साथ आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। जेडीए की दैनिक जनसुनवाई व्यवस्था नागरिकों और प्रशासन के बीच विश्वास, संवाद एवं जवाबदेही को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। जेडीए की इस व्यवस्था के अंतर्गत लगभग 200 अधिकारी एवं कार्मिक प्रत्यक्ष

रूप से आमजन की समस्याएँ सुन रहे हैं तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप डेढ़ माह की अवधि में 17 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई की जा चुकी है। साथ ही लगभग 500 प्रकरणों में ई-सुनवाई की गई। आंकड़ों के अनुसार जून माह में लगभग 10 हजार तथा जुलाई माह में अब तक लगभग 7 हजार प्रकरणों की सुनवाई की गई है। वहीं, 13 से 17 जुलाई के बीच केवल 5 दिनों में ही 2,325 प्रकरणों पर सुनवाई कर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई। यह निरंतरता जेडीए की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्यशैली का परिचायक है। जेडीए आयुक्त श्री सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि प्राधिकरण का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का संवेदनशीलता, पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जब किसी नागरिक की समस्या का समय पर समाधान होता है, तो केवल एक आवेदन का निस्तारण नहीं होता, बल्कि शासन व्यवस्था के प्रति उसका विश्वास भी और अधिक मजबूत होता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण करते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें सहज, सरल एवं नागरिक-अनुकूल सेवाओं का लाभ मिल सके।

राजस्थान साइबर क्राइम कन्ट्रोल सेंटर | मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान साइबर क्राइम कन्ट्रोल सेंटर का किया अवलोकन

साइबर अपराध पर शिकंजा कसने को लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश, साइबर ठगों और उनकी संपत्तियों पर की जाए कड़ी कार्रवाई

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में R4C (राजस्थान साइबर क्राइम कन्ट्रोल सेंटर) और उसके तहत संचालित हेल्पलाइन 1930 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में साइबर अपराधों के विरूद्ध की जा रही प्रभावी कार्रवाई का फीडबैक लेकर साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस के उच्च अधिकारियों की बैठक लेकर सोशल मीडिया सहित अन्य मीडिया माध्यमों के जरिए साइबर अपराधों के विरुद्ध आमजन में जागरुकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि स्कूलों एवं कॉलेजों में भी विशेष जागरुकता अभियान चलाए जाएं। उन्होंने बैंकिंग संस्थानों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर साइबर अपराधियों के बैंक खाते तुरंत ब्लॉक करवाने तथा आधुनिक तकनीक एवं डेटा विश्लेषण का उपयोग कर त्वरित कार्रवाई से साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने साइबर ठगों की गिरफ्तारी के साथ ही उनकी संपत्तियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने की शिकायतकर्ता से बातचीत

मुख्यमंत्री ने 1930 हेल्पलाइन के निरीक्षण के दौरान बाड़मेर से आए कॉल पर शिकायतकर्ता भैराराम से बातचीत की तथा इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने को लेकर उसके साथ हुई साइबर धोखाधड़ी की पूरी जानकारी ली। इस संबंध में उन्होंने हेल्पलाइन द्वारा कंप्लेंट दर्ज करने से लेकर संबंधित थाने और बैंक में इसकी दी जाने वाली जानकारी की पूरी कार्यप्रणाली को देखा। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर के लाइव डेशबोर्ड और ट्रैकिंग सिस्टम का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए राज्य

सरकार निरंतर काम कर रही है। इसी क्रम में, उन्होंने ऋ4ष्ट के लिए नया भवन उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम में अपना बैंक खाता उपलब्ध करवाने वाले लोगों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हेल्पलाइन 1930 पर लगभग 95 प्रतिशत शिकायतें समय पर दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पहले 30 लाइनों पर शिकायतें सुनी जा रही थी। अब इसे विस्तार देते हुए 53 लाइनें कर दी गई हैं तथा इस हेल्पलाइन को तीन पारियों में संचालित किया जा रहा है। शीघ्र ही, हेल्पलाइन में 60 लाइनों की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे हर पीड़ित की शिकायत समय पर सुनी जा सके।

जून 2026 में कॉल टेकर लाइन, रिप्लाई प्रतिशत (टीसीएस एवं एनसीआरपी) में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। वहीं, पांच लाख से अधिक की साइबर धोखाधड़ी पर 412 ई-जीरो एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं।

नव निर्मित कक्षा-कक्षों का लोकार्पण

स्कूल खुलने के साथ ही पाठ्य पुस्तकें बच्चों को मिलीं : शिक्षा मंत्री

जयपुर(नि.सं.)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले ढाई साल में शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधार किए गए हैं और परिणामस्वरूप राजस्थान आज शिक्षा के क्षेत्र में देश में चौथे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि पहली बार मार्च माह में ही बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू कर दिया गया है। सरकारी विद्यालयों के 70 लाख बच्चों को स्कूल खुलने के साथ ही पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करवा दी गई, जबकि पहले दो-तीन माह तक बच्चों के पास किताबें नहीं होती थी जिससे पढ़ाई बाधित होती थी। उन्होंने कहा कि स्कूल यूनिफॉर्म का पैसा सीधे खाते में उपलब्ध करवाया जा रहा है और होनहार बच्चियों को साइकिल खरीदने के लिए पैसा वाउचर के रूप में खाते में उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि योजना में मिली राशि का सदुपयोग हो और भ्रष्टाचार की आशंका नहीं रहे। उन्होंने कहा कि 65 लाख बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया है। शिक्षा मंत्री कोटा जिले में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लखावा में नव निर्मित कक्षा-कक्षों के लोकार्पण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। श्री दिलावर ने समसा द्वारा निर्मित कक्षा-कक्ष के साथ ही शिव एडिबल ग्रुप द्वारा बनवाए गए दो कक्षा-कक्षों एवं बरामदे का भी लोकार्पण किया। शिक्षा मंत्री ने ग्रुप द्वारा 87 विद्यार्थियों को अच्छी क्वालिटी का फर्नीचर उपलब्ध करवाने के लिए श्री विष्णु कुमार साबू को साधुवाद दिया।

न्यूज इन बॉक्स

बोर्ड गेम्स के जरिए महिलाओं ने बनाई नई बिजनेस कनेक्टिविटी

एफबीएस वीमन फोरम जयपुर की नेटवर्किंग मीट रही खास, एंटरप्रेन्योर्स ने सुनाई सक्सेस स्टोरी

जयपुर (नि.सं.)। नेटवर्किंग को पारंपरिक परिचय सत्रों से आगे बढ़ाते हुए एफबीएस जयपुर वुमन एंटरप्रेन्योर्स नेटवर्किंग फोरम ने इस बार एक अनूठी पहल की। शहर के अरिरासा रेस्टोरेंट में आयोजित बोर्ड गेम्स आधारित नेटवर्किंग मीट में महिला उद्यमियों ने खेल-खेल में नए व्यावसायिक संबंध बनाए और आपसी संवाद को नई दिशा दी। कार्यक्रम की संस्थापक मेघा गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को ऐसा मंच देना था, जहां वे औपचारिक बातचीत के बजाय सहज माहौल में एक-दूसरे को समझ सकें और नए बिजनेस अवसरों की संभावनाएं तलाश सकें। इसके लिए जयपुर मीपल्स की ओर से कई रोचक बोर्ड गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। बोर्ड गेम्स के दौरान महिलाओं ने टीमवर्क, रणनीति और आपसी सहयोग के साथ खेल का आनंद लिया।

महिला किसानों ने लिया जैविक खेती का संकल्प

राजस्थान जैविक राज्य विजन-2030 पर हुआ मंथन, गौ-आधारित कृषि को बढ़ावा देने पर जोर

जयपुर(नि.सं.)। टोंक रोड स्थित वैदिक औषधीय पादप केंद्र में शनिवार को अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद और ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान महिला किसान संवाद समारोह-2026 आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आई महिला किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, जैविक खेती विशेषज्ञों, गौ-सेवा प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में महिला किसानों ने रसायन मुक्त खेती को अपनाने, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर राजस्थान के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। संवाद में महिला कृषि उद्यमिता, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, कृषि प्रसंस्करण और राजस्थान जैविक राज्य विजन-2030 जैसे विषयों पर भी मंथन हुआ।

प्रदेश के मरीजों को मिल रहा सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का लाभ

आरएमएससीएल की दवा खरीद एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली की भारत सरकार ने की सराहना

जयपुर(नि.सं.)। भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी ने राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) के माध्यम से रोगियों को सस्ती दर पर जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनाई जा रही खरीद प्रणाली की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इसके माध्यम से रोगियों को गुणवत्ता युक्त दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे उन पर आर्थिक भार कम हुआ है। जोशी ने शासन सचिवालय में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास एवं आरएमएससीएल के अधिकारियों के साथ बैठक में दवाओं की खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण व्यवस्था पर चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला अस्पतालों से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रत्येक स्तर पर आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन को समय पर उपचार मिल सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरएमएससीएल के माध्यम से दवा वितरण केंद्रों पर बाजार भाव की तुलना में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और प्रतिदिन 19 हज़ार केंद्रों पर लगभग 3.60 लाख लोगों को दवाई उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का ही परिणाम है कि औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली (DVDMS) के केंद्रीय डैशबोर्ड पर मई माह के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है।

62वां स्थापना दिवस

महिला सशक्ति करण की मिसाल कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने मनाया 62वां स्थापना दिवस

जयपुर(नि.सं.)। महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में राजस्थान के अग्रणी शिक्षण संस्थान, कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय ने अपना 62वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय की स्थापना 19 जुलाई 1965 को स्वर्गीय भागीरथ कानोड़िया द्वारा की गई थी। स्थापना दिवस के इस भव्य समारोह में एडिशनल डीसीपी साउथ व कालिका इंचार्ज रानू शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने कॉलेज की पिछले छह दशकों की शानदार उपलब्धियों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाविद्यालय आज भी छात्राओं के सर्वांगीण विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके बाद महाविद्यालय की निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने कॉलेज के ध्येय वाक्य 'आत्म दीपो भव' का उल्लेख किया। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास, आत्मबोध और आत्मप्रेरणा ही व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने छात्राओं को अपनी कल्पनाओं को उड़ान देने और स्वयं के व्यक्तित्व का निरंतर विकास करने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि एडिशनल डीसीपी रानू शर्मा ने अपने प्रेरक संबोधन से छात्राओं में ऊर्जा का संचार किया।

इंग्लैंड के हम पोलो ग्राउंड में जोधपुर का परचम, जोधपुर टाइगर्स ने जीता जोधपुर पोलो कप

जोधपुर(वि.सं.)। इंग्लैंड के प्रतिष्ठित हम पोलो ग्राउंड, लंदन में आयोजित जोधपुर पोलो कप में जोधपुर पोलो टाइगर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लंदन नाइट्स को 9 गोल से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। मुकाबले में जोधपुर टीम ने बेहतरीन तालमेल, आक्रामक खेल और सटीक रणनीति का प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। मैच के समापन पर महाराजा गज सिंह ने विजेता जोधपुर पोलो टाइगर्स को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। महाराजा गज सिंह के एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन हम पोलो क्लब, लंदन के अध्यक्ष नवाबजादा अख्तर पटौदी द्वारा किया गया। जोधपुर टाइगर्स की ओर से बख्तियार पटौदी, इब्राहिम, जेम्स बॉयड और एंटोनिनो ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

प्रदेश सरकार वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए कृत संकल्पित : जोगाराम पटेल

जयपुर(नि.सं.)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एक दिवसीय बाड़मेर दौरे पर रहे। उन्होंने चौहटन के वीरात्रा स्थित वांकल माता मंदिर में विधिवत पूजा - अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। मंदिर ट्रस्ट द्वारा विधि मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा राजस्थान की भूमि अपने मंदिरों एवं आस्था स्थलों के लिए सम्पूर्ण देश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अलग ही आकर्षण रखती है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अयोध्या, काशी विश्वनाथ और सोमनाथ को श्रद्धालुओं की आस्था के अनुरूप भव्य बनाकर देश में एक नये उत्साह का संचार किया है।

वीरात्रा धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में होगा विकसित: पटेल ने कहा पश्चिमी राजस्थान की संस्कृति, विरासत, और लोक कला को विशिष्ट वैश्विक पहचान दिलाने के लिए जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर और जालोर में थार सांस्कृतिक सर्किट विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा श्री वांकल धाम महातीर्थ वीरात्रा में रोप-वे निर्माण की डीपीआर का कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने कहा वीरात्रा को धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

ड्रग-फैक्ट्री पकड़ने पहुंची टीम को नकली घी का कारखाना मिला

गुजरात से मंगवाई मशीनों से मिलावट कर रहे थे, नमक से साफ हो रहा था क्रीम

बाड़मेर(वि.सं.)। बाड़मेर में MD फैक्ट्री की सूचना पर पहुंची डीएसटी को नकली घी बनाने की फैक्ट्री मिली। यहां घर में ही नकली घी बनाने का सेटअप बना रखा था। इसके बाद डीएसटी टीम ने स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। टीमों को यहां घी बनाने की 2 मशीन मिली। जिसमें नल लगाकर घी निकाला जा रहा था। बाजार से असली घी लाकर इसमें पाम आयल मिलाया जा रहा था। इसमें 60 प्रतिशत असली घी और 35 प्रतिशत पाम आयल और 5 प्रतिशत घी को दानेदार बनाने वाली मिलावटी सामग्री मिक्स करते थे।

एआई तकनीक

राजस्थान के सरकारी टीचर्स और स्टूडेंट्स को एआई सिखाया जाएगा

छात्र को किस सब्जेक्ट में ज्यादा मेहनत की जरूरत इसका भी पता लगाया जा सकेगा

उदयपुर(वि.सं.)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पढ़ाई की शुरुआत होने जा रही है। इसके जरिए टीचर्स और स्टूडेंट्स दोनों को एआई तकनीक से जोड़ना है। इसके लिए टीचर्स एआई टूल्स का इस्तेमाल सीखेंगे। वहीं, स्टूडेंट्स को एआई के काम करने के तरीके, उसके सही और गलत उपयोग तथा डिजिटल सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में राजस्थान के 10 जिलों में करीब एक लाख शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देने की तैयारी शुरू कर दी है।

इसके बाद यह मॉडल प्रदेश के अन्य जिलों तक विस्तार किया जाएगा। शिक्षा विभाग इस पर काम कर रहा है।

इसकी शुरुआत उदयपुर में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के जरिए की गई। इसमें प्रदेश की 34 डाइट की फैकल्टी को सबसे पहले समझाते हुए ट्रेनिंग दी गई।

लोकार्पण | बंधा और धर्मपुरा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में नव निर्मित सुविधाओं का शिक्षा मंत्री ने किया लोकार्पण

बच्चे प्रतिभाशाली और परिश्रमी, अवसर मिले तो रच सकते हैं इतिहास : मदन दिलावर

जयपुर(नि.सं.)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कोटा जिले के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बँधा एवं धर्मपुरा में समग्र शिक्षा योजनान्तर्गत नवनिर्मित सुविधाओं का लोकार्पण किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बंधा में लगभग 49 लाख रुपये की लागत से विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय तथा कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए दो अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निर्माण कराया गया है। वहीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धर्मपुरा में लगभग 38 लाख रुपये की लागत से विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर कक्ष का निर्माण कराया गया है। विद्यालयों में इन नवीन सुविधाओं से बेहतर शैक्षणिक वातावरण का लाभ बच्चों को मिलेगा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने कहा कि बच्चे देश के कर्णधार हैं और उनका भविष्य संवारना प्रत्येक शिक्षक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को अपने बच्चों की तरह पढ़ाने, आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने तथा उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाला छात्र भी ग्रामीण पृष्ठभूमि से है।

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?

विनोद कुमार सिंह

संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

सर्वदलीय बैठक से शुरू हुआ राजनीतिक संग्राम,महत्त्वपूर्ण विधेयकों,संवैधानिक विमर्श, परिसीमन,महिला आरक्षण, भ्रष्टाचार और जनसरोकारों के मुद्दों पर सत्ताझ्रविपक्ष की निर्णायक परीक्षा...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।संविधान निमार्ताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद, जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है। लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरूआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है।विपक्ष ने इसे संसदीय मयार्दाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निमंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम

निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं।इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा है। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व में परिवर्तन की संभावना है।दक्षिण भारत के अनेक राज्यों और क्षेत्रीय दलों ने पहले ही आशंका व्यक्त की है कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त करने वाले राज्यों को प्रतिनिधित्व के स्तर पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्य समान जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए परिसीमन केवल चुनावी गणित का विषय नहीं, बल्कि संघीय ढाँचे,क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय राजनीतिक संरचना से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न बन गया है।मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति भी लगभग स्पष्ट दिखाई दे रही है।विपक्ष संसद के भीतर सरकार को भ्रष्टाचार,बेरोजगारी, महँगाई,कृषि संकट,राज्यों के अधिकार,संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता,जाँच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग,दल-बदल, सामाजिक न्याय तथा महिला आरक्षण के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर घेरने की तैयारी में है। इसके अतिरिक्त लद्दाख को संवैधानिक संरक्षण,छठी अनुसूची के प्रावधानों तथा पर्यावरणीय संरक्षण की माँग को लेकर सोनम वांगचुक द्वारा चलाए गए आंदोलन को भी विपक्ष राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाने का प्रयास करेगा।सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय जनप्रतिनिधित्व अब केवल क्षेत्रीय मुद्दे नहीं,बल्कि राष्ट्रीय नीति के अभिन्न अंग बन चुके हैं।भ्रष्टाचार का प्रश्न भी इस सत्र में प्रमुखता से उठ सकता है।विपक्ष विभिन्न सरकारी निर्णयों, सार्वजनिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा राजनीतिक जवाबदेही को लेकर सरकार से प्रश्न पूछने की तैयारी में है।वहीं सरकार डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,सरकारी खरीद की ई-प्रणाली, जीएसटी, डिजिटल प्रशासन तथा तकनीक आधारित पारदर्शिता को भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। स्वाभाविक है कि इस विषय पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल बहुमत का मंच नहीं होती। संविधान के अनुच्छेद107 से 111 तक विधेयकों की संसदीय प्रक्रिया का उल्लेख है,जबकि अनुच्छेद 368 संविधान संशोधन की विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है।इसी प्रकार दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी कानून का आधार है।इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक स्थिरता,जनादेश की रक्षा और संसदीय मयार्दाओं को सुरक्षित रखना है।यदि राजनीतिक विवादों का समाधान इन्हीं संवैधानिक व्यवस्थाओं के माध्यम से होता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है; किन्तु यदि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ता है,तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दूरगामी होता है।यह भी स्मरण रखना होगा कि संसद का दायित्व केवल विधेयक पारित करना नहीं है।संसद सरकार से प्रश्न पूछती है,नीतियों की समीक्षा करती है,सार्वजनिक धन के उपयोग पर निगरानी रखती है तथा जनता की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में स्थान देती है।इसलिए संसद का प्रत्येक दिन और प्रत्येक घंटा राष्ट्र की अमूल्य लोकतांत्रिक पूँजी है। यदि पूरा सत्र केवल हंगामे, नारेबाजी और स्थगन की भेंट चढ़ जाता है,तो सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को होता है।

आज भारत महँगाई,रोजगार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जलवायु परिवर्तन,कृषि सुधार,राष्ट्रीय सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन विषयों पर गंभीर संसदीय विमर्श की अपेक्षा केवल विपक्ष या सरकार की नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की है। जनता चाहती है कि संसद राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच अवश्य बने,किन्तु राष्ट्रीय समाधान का केन्द्र भी बनी रहे। 20 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह मानसून सत्र केवल सरकार के विधायी एजेंडे अथवा विपक्ष के राजनीतिक प्रतिरोध तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता,संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों की भी परीक्षा है।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने बहुमत का उपयोग संवाद, सहमति और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ करे,जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह तथ्य,तर्क और जनहित के आधार पर अपनी भूमिका निभाए।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं,बल्कि संविधान के प्रति सामूहिक आस्था है।अंततः संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

संपादकीय

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ!

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ का खेल फिर शुरू कर दिया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले पांच देशों-भारत, चीन, हंगरी, अजरबैजान, स्लोवाकिया-पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने का प्रावधान है। संसद में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स सांसद बिल पारित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि वे रूस की अर्थव्यवस्था को अधिक कमजोर करना चाहते हैं। बिल के मसविदे में 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे घटा कर 100 फीसदी किया गया है। यदि अमरीकी संसद में यह बिल पारित किया जाता है, तो भारत पर 100 फीसदी टैरिफ के अलावा, 12.5 फीसदी बाल-मजदूरी का टैरिफ और 18 फीसदी सामान्य टैरिफ, कुल मिला कर 130.5 फीसदी टैरिफ लागू हो सकता है। अमरीका ने हमारे तांबा, इस्पात, एल्युमीनियम पर 50 फीसदी टैरिफ और सेमीकंडक्टर तथा ऑटो पार्ट्स पर 25-25 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। यदि 100 फीसदी टैरिफ लागू हो गया, तो भारत अमरीका को जो सालाना 6.5 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, वह प्रभावित होगा। रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत सालाना 60,000 करोड़ रुपए की बचत करता है, लेकिन टैरिफ लागू होने से 10 गुना अधिक निर्यात पर पलीता लग सकता है। भारत के 2.1 लाख करोड़ रुपए के फार्मा, वस्त्र, हीरे के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। आखिर अमरीका के साथ 'माई डियर फ्रेंड' वाली दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी का सच यही है कि हम टैरिफ की मार लगातार झेलते रहें? राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशानुसार ही तेल, गैस के आयात करें? यदि वह रूसी तेल की खरीद के लिए छूट दे, तो बल्लियां उछलते रहें और रूस से खुल कर खरीददारी करें? ट्रंप होते कौन हैं, क्या दुनिया भर के 'चौधरी' हैं, ठेकेदार हैं, जो भारत जैसे संप्रभु देश और दुनिया के सबसे बड़े बाजार को हांकते रहते हैं? हमारी सरकार और नेतृत्व गुमसुम क्यों रहते हैं? ब्राजील जैसे छोटे देश के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा अमरीका को टका-सा जवाब दे सकते हैं, लेकिन दुनिया की सबसे अधिक आबादी का देश-भारत-अमरीकी राष्ट्रपति के फरमान सुनने और पालन करने को विवश है?

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मंडराता खतरा

एक तरफ अमेरिका भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटा है, दूसरी ओर वह रूस से तेल खरीदने पर सौ फीसद आयात शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। व्यापारिक रिश्तों में विरोधाभास का यह विचित्र उदाहरण है। दरअसल, अमेरिका के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक समूह ने सीनेट में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन सहित पांच देशों पर सौ फीसद तक आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इस विधेयक के पारित हो जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारी-भरकम शुल्क थोपने का अधिकार मिल जाएगा। इस नए परिदृश्य में भारत-अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता का क्या भविष्य होगा, यह एक बड़ा सवाल है और फिर समझौते का भी क्या महत्त्व रह जाएगा? गौरतलब है कि बीती फरवरी में व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा तय होने पर रूसी तेल से जुड़े अतिरिक्त पच्चीस फीसद शुल्क को हटा दिया गया था। अब नए सिरे से सौ फीसद शुल्क लगाने की प्रक्रिया से प्रतीत होता है कि अमेरिका भयादोहन की नीति अपना रहा है।

हालांकि, संशोधित विधेयक को पहले के मसविदे से नरम बताया जा रहा है। शुरुआती प्रस्ताव में ट्रंप प्रशासन ने संसद में विधेयक पेश कर पांच सौ फीसद तक शुल्क लगाने की पेशकश की थी। मगर सवाल है कि कोई देश अगर रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर अमेरिका को शुल्क लगाने का अधिकार कैसे मिल जाता है!

ईरान पर हमले से लेकर शुल्क थोपने तक के मुद्दे पर जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप अपने रुख से पलटते रहे हैं, उससे अमेरिका की साख कम हुई है। यह स्पष्ट है कि दूसरे देशों को मनमाने तरीके से संचालित करने और उन पर नाहक दबाव बनाने से अमेरिका की महाशक्ति की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दबाव बनाने और अपने मुताबिक संचालित करने के अलोकतांत्रिक कदमों से अमेरिका ने अपनी छवि धुंधली ही की है।

आज का कार्टून

RJHIN/25/A4779
हिन्दी समाचार पत्र
THE UNCOVERED UPDATE सच जो छुपा था, अब सामने है
द अनकवर्ड अपडेट
जयपुर से प्रकाशित
सच जो छुपा था, अब सामने है।
The Uncovered Update
PODCAST
ON AIR
क्या आपके पास ऐसी कोई खबर है जो अब तक सामने नहीं आई?
क्या आपके पास भ्रष्टाचार, घोटाले, सत्ता के दुरूपयोग या जनहित से जुड़े किसी गंभीर मामले के पुख्ता तथ्य हैं?
क्या आपके पास ऐसा सच है जिसे दबाने की कोशिश की जा रही है?
तो अब आपकी आवाज़ बनेगा – The Uncovered Update Podcast
हम आपको देंगे एक ऐसा मंच, जहाँ आपकी बात बेबाकी और जिम्मेंदारी के साथ देश तक पहुंचेगी। यदि आपके पास दस्तावेज, सबूत या ऐसी जानकारी है जो जनहित में उजागर होना जरूरी है, तो आप हमारे पॉडकास्ट में आकर अपनी बात रख सकते हैं।
The Uncovered Update Podcast में होंगे:
- भ्रष्टाचार और घोटालों का खुलासा
- इन्वेस्टिगेटिव स्टोरीज़
- व्हिसलब्लोअर्स की सच्ची कहानियाँ
- सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों पर खुली चर्चा
- एक्सक्लूसिव इंटरव्यू और जमीनी रिपोर्ट
अगर आपके पास भी ऐसा कोई सच है जो अभी तक सामने नहीं आया है, तो हमसे संपर्क करें!
आपकी पहचान और आपके द्वारा साझा की गई जानकारी का सम्मान और गोपनीयता हमारी प्राथमिकता होगी।
हमसे संपर्क करें
02269621949
8946840063
8209508208
editor.theuncoveredupdate@gmail.com
क्योंकि...
"सच जो छुपा था, अब सामने है!"
तेज, सटीक और निष्पक्ष खबरें | आपकी आवाज़, हमारी पहचान | एक मजबूत मीडिया, एक सशक्त समाज | हर खबर पर हमारी नजर
The Uncovered Update Podcast – हर सच को मिलेगी आवाज़!

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चोरी का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए।

राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि जांच केवल दस्तावेजों और खातों तक सीमित न रहे, बल्कि मंदिर के लिए मिले सभी प्रकार के दान, जिसमें नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य चढ़ावे शामिल हैं, उनके प्रबंधन की भी विस्तृत जांच की जाए।कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रस्ट के सभी खातों की जानकारी आम लोगों के सामने रखी जाए। पार्टी का कहना है कि इससे श्रद्धालुओं को यह स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि उनके द्वारा दिए गए दान का उपयोग किस तरह किया गया।संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले यह मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह सदन में इसे प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। वहीं, इस मामले पर आगे राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है। कांग्रेस की मांग है कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय पर पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

नाराज विपक्ष ने पहले किया बहिष्कार फिर सर्वदलीय बैठक में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक उस समय राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई.जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नए संसदीय समूह में शामिल हुए 20 बागी सांसदों को भी बैठक में आमंत्रित किया। सरकार के इस फैसले का विपक्षी दलों ने विरोध किया. सरकार द्वारा विपक्ष की मांग नहीं मानने पर बैठक का बहिष्कार भी किया लेकिन कुछ देर बाद ही बैठक में शामिल हुआ। विपक्षी दलों का कहना था, बागी सांसदों की मान्यता और दलबदल से जुड़े मामले अभी पूरी तरह विवादमुक्त नहीं हैं। ऐसे में उन्हें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करना संसदीय परंपराओं के विपरीत है. इससे मूल राजनीतिक दल के अधिकारों की अनदेखी होती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक लाभ के लिए संसदीय प्रक्रियाओं का मनमाने तरीके से उपयोग कर रही है। दूसरी ओर, सरकार का कहना है. जिन सांसदों ने अलग संसदीय समूह के रूप में मान्यता का दावा किया है.उन्हें चर्चा में शामिल करना संसदीय संवाद की प्रक्रिया का हिस्सा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी दलों से संसद के सुचारु संचालन में सहयोग की अपील की। सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य मानसून सत्र के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक दलों के मुद्दों पर चर्चा करना था. टीएमसी के बागी सांसदों के निमंत्रण ने बैठक से पहले ही सियासी माहौल गर्मा दिया। माना जा रहा है कि इस विवाद का असर मानसून सत्र की कार्यवाही पर सत्र शुरू होने के साथ ही पड़ना तय है।

खराब मौसम का असर, वैष्णो देवी यात्रा 19 जुलाई से स्थगित

-जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश के मद्देनजर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा को 19 जुलाई से अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया है। यह निर्णय प्रशासन द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। बोर्ड ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में जारी मूसलाधार बारिश के कारण रियासी जिले के कटरा स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर भूस्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है, जिससे मंदिर मार्ग असुरक्षित हो गया है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश के बाद मंदिर की ओर जाने वाले नए मार्ग पर हिमकोटी के पास भूस्खलन हुआ, जिसके बाद बोर्ड ने तत्काल मलबे को हटाने के लिए कर्मचारी और मशीनें तैनात की हैं। इससे पहले 8 जुलाई को भी मंदिर मार्ग भूस्खलन से प्रभावित हुआ था, जिसके चलते बैटरी कार सेवा को अस्थाई रूप से निलंबित करना पड़ा था। हालांकि, उस समय सैकड़ों तीर्थयात्रियों ने भूस्खलन के बावजूद अपनी पैदल यात्रा जारी रखी थी, लेकिन वर्तमान गंभीर स्थिति को देखते हुए पूरी यात्रा को रोकने का फैसला किया गया है।

जैसलमेर में भीषण सड़क हादसा: कार-बाइक जलकर खाक, एक युवक की दर्दनाक मौत

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दर्दनाक घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि कार में सवार एक ज्वेलर समेत तीन लोग चमत्कारिक रूप से बच निकलने में कामयाब रहे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा जैसलमेर-नेहड़ाई रोड पर बोहा और नेहड़ाई गांव के बीच रात करीब 9 बजे हुआ। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार हवा में लगभग 20 फीट उछलकर दूर जा गिरा। टक्कर के तुरंत बाद मोटरसाइकिल कार के अगले हिस्से में फंस गई, जिससे भीषण शॉर्ट सर्किट हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेज़ थी कि दोनों वाहन कुछ ही मिनटों में कबाड़ में तब्दील हो गए। हादसे के बाद आग से कार के दरवाजे ऑटोमैटिक लॉक हो गए, जिससे कार सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, पीछे का एक दरवाजा खुलने से ज्वेलर समेत तीनों लोग समय रहते कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि वे गहने देकर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने मृत युवक के मोबाइल से परिजनों को सूचना दी। मोहनगढ़ पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को अस्पताल पहुंचाया, क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु करवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी मामले में बैंक ऑफ इंडिया का कर्मी गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने वर्ष 2016 की नोटबंदी के दौरान हुए कथित वित्तीय अनियमितता के एक बड़े मामले में कार्रवाई की है। ईओयू ने कोडरमा जिले के डोमचांच स्थित बैंक ऑफ इंडिया की फुलवरिया शाखा में कार्यरत बैंककर्मी अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। उस पर गया शाखा में पदस्थापित रहते हुए अन्य लोगों के साथ मिलकर ग्राहक के बैंक खाते का दुरुपयोग कर लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन को अंजाम देने का आरोप है। ईओयू के अनुसार, अरविंद कुमार नोटबंदी के समय बैंक ऑफ इंडिया की गया शाखा में कार्यरत था। आरोप है कि उसने वादी राजेश कुमार के बैंक खाते का कथित तौर पर उसकी जानकारी और सहमति के बिना उपयोग कर लाखों रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया था। राजेश कुमार की शिकायत पर गया में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच और बैंकिंग दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ईओयू को अरविंद कुमार की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले। इसके बाद निगरानी अदालत से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त कर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की तलाश की जा रही थी। ईओयू की टीम ने कोडरमा पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से नोटबंदी के दौरान हुए इस कथित वित्तीय नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और लेनदेन के व्यापक दायरे का खुलासा हो सकता है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है।

निर्वस्त्र होकर मंदिर पहुंची, मूर्ति लेकर तालाब में कूदी महिला इंजीनियर

-सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी की मौत के मिले नए सुराग

हैदराबाद (एजेंसी)। पीरजादीगुड़ा के एक तालाब में मिले सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी के शव मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, एक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में तेजस्विनी को मंदिर परिसर में जाते हुए देखा गया है। जांच में सामने आया है कि वह मंदिर से एक मूर्ति लेकर तालाब की ओर गई थी। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की वजहों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, तेजस्विनी कपड़े उतारकर मंदिर पहुंची और वहां से अण्मावारू की मूर्ति उठाई। इसके बाद वह मूर्ति लेकर तालाब की ओर चली गई। पुलिस का कहना है कि तालाब में उसके कूदने का कोई प्रत्यक्ष सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। फिलहाल तालाब में मूर्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस का मानना है कि मूर्ति मिलने से जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिल सकती है। जांच के दौरान तेजस्विनी के निजी जीवन से जुड़ी कुछ जानकारियां भी सामने आई हैं। पुलिस के अनुसार, वह जिस फ्लैट में किराए पर रह रही थी, उसका किराया काफी अधिक था। वह रोजाना करीब 3500 रुपये का भुगतान करती थी, जो महीने में एक लाख रुपये से अधिक बैठता है। जिस अपार्टमेंट में वह रहती थी, उसकी ऊपरी मंजिल पर लॉज संचालित होने की जानकारी भी मिली है। पुलिस ने पूरे परिसर की जांच की है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले में आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए कई पहलुओं की जांच कर रही है। इसमें पैसों के लेनदेन, आसपास रहने वाले लोगों की भूमिका और अन्य परिस्थितियों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तेजस्विनी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। पुलिस ने तेजस्विनी की मां अरुणा से भी पूछताछ की है। जांच अधिकारी घटनाक्रम से जुड़े सभी साक्ष्यों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस सभी संभावित कारणों की पड़ताल कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में दूसरा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

-सांबा जिले के खेतों से मिला ड्रोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। पिछले एक सप्ताह के भीतर इस तरह का दूसरा ड्रोन मिलने से सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर गांव के खेतों में तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध ड्रोन बरामद किया। प्रारंभिक जांच के बाद ड्रोन को कब्जे में लेकर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसके उत्पनादन क्षेत्र, तकनीकी क्षमता और संभावित उद्देश्य का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के दिनों में लगातार ड्रोन मिलने की घटनाएं सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी अथवा खुफिया गतिविधियों से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक ड्रोन के माध्यम से किसी सामग्री की आपूर्ति या किसी विशेष मिशन की पुष्टि नहीं की है।

देवक गांव से पहले ही बरामद हो चुका एक ड्रोन

इससे पहले 14 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के देवक गांव के पास एक खुले मैदान से भी एक संदिग्ध ड्रोन बरामद किया गया था। एक सप्ताह के भीतर दूसरी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनुसार सीमा से सटे इलाकों में गश्त, निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध उड़ने वाली वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें।

टीएमसी में सियासी घमासान के बीच 'शहीद दिवस' पर बढ़ा तनाव

तीन गुट अलग-अलग करेंगे कार्यक्रम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी सियासी संघर्ष अब 'शहीद दिवस' कार्यक्रम तक पहुंच गया है। पार्टी के गठन के बाद पहली बार टीएमसी तीन गुटों में बंट चुकी है और हर गुट खुद को पार्टी की असली राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी बता रहा है। ऐसे में 21 जुलाई को मनाए जाने वाले 'शहीद दिवस' को लेकर राज्य में राजनीतिक हलचल और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। टीएमसी के गठन के बाद से हर वर्ष 21 जुलाई को कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू में बड़ी रैली आयोजित की जाती रही है। हालांकि इस बार पहली बार वहां कोई कार्यक्रम नहीं होगा। प्रशासन ने मध्य कोलकाता के कई इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 2 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। पुलिस का कहना है कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों के

दौरान हिंसा और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। टीएमसी में यह संकट विधानसभा चुनाव में हार के बाद और गहरा गया। विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 80 में से 60 से अधिक विधायकों ने अलग गुट बनाकर खुद को 'असली टीएमसी' घोषित कर दिया। इसके बाद पार्टी के 29 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद एक अन्य राजनीतिक दल में शामिल हो गए। हालात तब और बिगड़ गए जब चार राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दे दिया, जिनमें से तीन बाद में भाजपा में शामिल हो गए। दूसरी ओर, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को अब राजनीतिक हलकों में 'कालीघाट तृणमूल' के नाम से भी जाना जाने लगा है। इस बीच, कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को बिड़ला तारामंडल के पास दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 'शहीद दिवस' कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी है। अदालत ने इस कार्यक्रम में अधिकतम 2,500 लोगों की मौजूदगी की सीमा तय करते हुए पुलिस को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, रिताब्रता बनर्जी का गुट मेयो रोड पर गांधी प्रतिमा के सामने अपना कार्यक्रम करेगा। राज्य कांग्रेस भी उसी दिन शहीद मीनार के निकट अपना आयोजन करेगी, जबकि एक अन्य दल ने भी 'शहीद दिवस' मनाने की घोषणा की है, हालांकि कार्यक्रम स्थल की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में 21 जुलाई को कोलकाता में कई समानांतर राजनीतिक आयोजन होने से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी। साथ ही, उसे 2 महीने के अंदर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास को उत्तराधिकारी बनने की दी चुनौती

- कवि ने भी भर दी हामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव और कवि कुमार विश्वास के बीच हंसी-मजाक और दोस्ताना नोकझोंक अक्सर देखने को मिलती है। अब एक कार्यक्रम में दोनों के बीच ऐसा ही दिलचस्प संवाद हुआ, जिसमें बाबा रामदेव ने मजाकिया अंदाज में कहा कि कुमार विश्वास की नजर पतंजलि पर है और वह इसके उत्तराधिकारी बनना चाहते हैं। इस पर कुमार विश्वास ने भी अपने अंदाज में जवाब दिया और बाबा की शर्त पूरी करने की बात कह दी।

दोनों के बीच यह बातचीत दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित फिल्म 'रामायणम' के प्री-ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई। कार्यक्रम में कई फिल्मी हस्तियों और साधु-संतों की मौजूदगी रही। मंच पर बाबा रामदेव और कुमार विश्वास आमने-सामने आए तो दोनों के बीच हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत शुरू हो गई। बाबा रामदेव ने मजाक करते

हुए कहा कि कुमार विश्वास की नजर हमेशा इसी पर रहती है कि उन्हें पतंजलि का उत्तराधिकारी बनना है। इस पर कुमार विश्वास ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने कभी बाबा से उन्हें गोद लेने की बात कही थी। तब बाबा ने कहा था कि अगर गोद लिया तो सुबह चार बजे उठकर योग करना होगा। कुमार विश्वास ने जवाब देते हुए कहा कि जिसका भविष्य इतना बड़ा हो, वह देर तक सोएगा क्यों। इसके बाद बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास के सामने एक शर्त रख दी। उन्होंने मंच पर नौली क्रिया करके दिखाई और कहा कि अगर वह इसे सीख लेते हैं तो उत्तराधिकारी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कुमार विश्वास ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं और इसे सीख लेंगे। गौरतलब है कि पतंजलि समूह का कारोबार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में पहली बार 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक का सालाना परिचालन राजस्व दर्ज किया है। कंपनी के कारोबार में एफएमसीजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी महत्वपूर्ण रही है। हालांकि मंच पर हुई यह बातचीत पूरी तरह मजाक और दोस्ताना माहौल में हुई, लेकिन दोनों हस्तियों के बीच यह संवाद कार्यक्रम का आकर्षण बन गया।

सुप्रिया 2 सप्ताह तक ना कुछ बोलेंगी, न राजनीति करेंगी

-संसद सत्र से पहले सुले का वॉयस रेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्वास्थ्य कारणों से खुद को राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया से दूर रखने का फैसला किया है। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह पर वह अगले एक से दो सप्ताह तक वॉयस रेस्ट पर रहेंगी। इस दौरान वह न तो मीडिया से बातचीत करेंगी, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगी।

सुप्रिया सुले ने बताया कि गले और आवाज में परेशानी के कारण उन्होंने विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली। जांच में गले में हल्की सूजन पाई गई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक बोलने, भाषण देने और साक्षात्कार से बचने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह वॉयस थेरेपी भी लेंगी और मीडिया तथा समर्थकों से

सहयोग की अपील की है।

स्वास्थ्य कारणों के चलते सुप्रिया सुले विपक्षी गठबंधन की उस अहम बैठक में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जिसमें संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ रणनीति तैयार करने और विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की एकजुटता को लेकर चर्चा होनी है। सुप्रिया सुले का यह फैसला ऐसे समय आया है जब वह कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा में थीं। हाल ही में उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी विधेयक का अध्ययन करेगी और यदि इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में समान वृद्धि की व्यवस्था होगी तो समर्थन पर विचार किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में इस विधेयक को लेकर बहस तेज हो गई थी।

इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें हैं कि शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच किसी समझौते की संभावना बन सकती है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कदम उठाने की तैयारी में है। इनमें महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने वाला प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है। ऐसे समय में सुप्रिया सुले का कुछ समय के लिए सक्रिय राजनीति से दूर रहना विपक्षी रणनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य कारणों से लिया गया यह फैसला अस्थायी है और वह जल्द ही सक्रिय भूमिका में लौटेंगी।

क्या इस बार भी संसद का सत्र हंगामा और स्थगन की भेंट चढ़ जाएगा: मायावती

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, बंगाल चुनाव के बाद हालात, गर्भवती महिलाओं की मौत पर जताई चिंता

लखनऊ (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने पश्चिम बंगाल से लेकर राजस्?थान तक के मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्?होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद के हालात और राजस्?थान में गर्भवती महिलाओं की मौत मामले पर चिंता जताई। रविवार सुबह मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर सात पॉइंट में लंबा चौड़ा पोस्?ट किया।

उन्?होंने लिखा- अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश और आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, अहम परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

मायावती ने लिखा- वैसे खासकर अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा की चोरी, हेराफेरी व ग़बन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने भी यूपी व देश को काफी झकझोर कर रख दिया है और लोग, धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण करने वालों को इसके लिए कठघरे में खड़ा करके, उनसे दिल दुखाने की जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा गर्म होगा, जिसपर लोगों की पैनी नजर है।

बसपा सुप्रीमो ने लिखा- इतना ही नहीं बंगाल में विधानसभा आमचुनाव के बाद के हालात्, राजस्थान में सरकार की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं की मौत समेत कई राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा आदि भी गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने लिखा- भारत की अर्थव्यवस्था व यहां के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करती हुई अमेरिका-इजराइल का ईरान के विरुद्ध लगातार युद्ध और रुपया का अवमूल्यण आदि देश व जनहित के ऐसे ख़ास मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूंढ कर सराहनीय कार्य करना होगा, वरना 140 करोड़ की जनसंख्या वाले अपने देश में बहुजनों का जीवन यहां और भी बुरे दिन वाला बनकर उनका भविष्य अधर में लटकायेगा, जिसकी आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

अतः देश को त्रस्त करने वाली इन भारी चुनौतियों व उसके प्रति चेतावनियों को ध्यान में रखकर संसद के मानसून सत्र को, बिना किसी उत्तेजना, रोष व विद्वेष के, सुचारू, शान्तिपूर्ण एवं स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परम्परा के मुताबिक चलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद को भी इन ज्वलन्त राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरी तरह से गंभीर व संवेदनशील होना जरूरी है और इसकी शुरूआत अगर संसद के वर्तमान मानसून सत्र से ही हो तो यह बेहतर ही होगा। जनहितैषी गुड गवर्नेंस के लिए संसद का प्रभावी होना जरूरी। जय भीम, जय भारत।

30 की हुई स्मृति मंधाना

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।

तीनों फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड

करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में स्मृति मंधाना ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

टेस्टः 9 मैच, 788 रन, 2 शतक, 5 अर्धशतक

वनडेः 120 मैच, 5,411 रन, 14 शतक, 35 अर्धशतक

टी20 अंतरराष्ट्रीयः 171 मैच, 4,538 रन, 1 शतक, 35 अर्धशतक

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत दिला चुकी है।

फाइनल में यामागुची को हराया

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय बनी

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

एस. जयशंकर ने भी दी शुभकामनाएं

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सिंधु को बधाई देते हुए लिखा, पीवी सिंधु को 2026 जापान ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई। हमें आप पर गर्व है।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है।उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था।वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है।2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुई- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गई।उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं।इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला।इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है: राजनाथ सिंह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया।इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने उन्हें बधाई देते हुए देश का गौरव बताया।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंधु की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पीवी सिंधु को जापान ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

मीराबाई

लवलीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं। चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं। लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज जीता

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया।

साका की हैट्रिक, फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

रोहित-विराट टीम में परमानेंट नहीं, प्रदर्शन के दम पर ही मिलनी चाहिए जगह

कपिल देव बोले-

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी जब तक प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक खेलना चाहिए। साथ ही टीम मैनेजमेंट को भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को भी तैयार रखना चाहिए।

कपिल देव ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम में बने रहने का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे टीम के लिए रन बना रहे हैं और मैच जिता रहे हैं, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सीनियर खिलाड़ी फॉर्म से बाहर होता है, तो टीम के पास मजबूत बैकअप तैयार होना चाहिए।रोहित शर्मा और विराट कोहली 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल दोनों वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए खेल रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों के बीच बेफिक्र दिखे रोहित

● लॉर्ड्स की बॉलकनी में गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक का वीडियो वायरल

लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे।इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए।उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए।यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों ने पकड़ा था जोर

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है।हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया।सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए

लंदन (एजेंसी)। संन्यास की अटकलों के बीच रोहित शर्मा के लॉर्ड्स से दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में वह गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, जबकि दूसरे में उन्होंने कहा, 'बाहर क्या चल रहा है, उससे हमको क्या', जिससे उन्होंने बाहरी चर्चाओं को तवज्जो न देने का संदेश दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। एक ओर उनके वनडे भविष्य को लेकर संन्यास की अटकलें तेज हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उनके दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में रोहित शर्मा टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उन्होंने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि बाहरी चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

चयनकर्ताओं के बीच हुई थी चर्चा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर हुई थी और टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी।

भारत और इंग्लैंड तीसरे वनडे में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

महान क्रिकेटर सोबर्स को दी श्रद्धांजलि

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने रविवार को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी बांधी। 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक सोबर्स ने शुक्रवार को आखिरी सांस ली। वे अपने 90वें जन्मदिन से 11 दिन दूर थे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने एक पोस्ट में कहा, %टीम इंडिया वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांध रही है, जिनका शुक्रवार को निधन हो गया। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का फैसला करने वाले तीसरे वनडे मैच की शुरुआत से पहले क्रिकेट के मक्का (लॉर्ड्स) में एक मिनट का मौन रखा गया। भीड़ और खिलाड़ियों ने एक साथ खड़े होकर सोबर्स को श्रद्धांजलि दी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खेल की शुरुआत के लिए घंटी बजाई। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने टॉस जीतने के बाद कहा, आज हम पहले बैटिंग करेंगे। पिच अच्छी लग रही है। साकिब महमूद की जगह टंग टीम में वापस आ रहे हैं। रूट ने जिस तरह से बैटिंग की, उससे एक बढ़िया मिसाल कायम हुई है। उम्मीद है कि हम हालात को जल्दी समझ लेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के बाद कहा,हम बॉलिंग करते।

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल वॉर्मिंग का कहर : यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने ली 10,000 लोगों की जान, बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा आफत

लंदन, एजेंसी। यूरोप ने इस साल अप्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक, तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, जून के अंत में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। जानकारों का कहना है कि पूरी स्थिति समझने में समय लगता है और गर्मी से होने वाली कई मौतों को आधिकारिक तौर पर उस तरह दर्ज नहीं किया जाता। उदाहरण के लिए, भीषण गर्मी से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासतौर पर उन लोगों को जो उम्रदराज हैं और पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनकी मौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह दिल का दौरा लिखा जा सकता है। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक गर्मियों की शुरुआत चिंताजनक रही है। पिछले कुछ वर्षों में यूरोप में कई बार भीषण गर्मी पड़ी जिसकी वजह से हजारों लोगों की मौत हुई है। जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण गर्मी की आवृत्ति बढ़ रही है। यूरोएमओएमओ के आंकड़े कहते हैं, 28 जून को खत्म हुए सप्ताह में करीब 14,260 अधिक मौतें हुईं। इनमें से 12,000 से अधिक मौतें 65 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की थीं। यह उस हफ्ते हुई कुल 84,583 मौतों में से था।

मेक्सिको के तट पर आया शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता; सुनामी की चेतावनी जारी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट के पास 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के शहर प्यूर्टो मादेरो के पास था। इसकी गहराई जमीन से केवल 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप के बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है। रॉयटर्स ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा, भूकंप के झटकों से ग्वाटेमाला सिटी में इमारतें हिल गईं। एक अन्य चश्मदीद ने रॉयटर्स को बताया कि एल सल्वाडोर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो ने कहा कि भूकंप के कारण अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अभी तक कोई मौत नहीं हुई है और हम हर मिनट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और ऐसे हालात में जारी की जाने वाली सलाह का पालन करने की अपील की। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओआक्साका के गवर्नर ने कहा कि भूकंप के झटके राज्य की राजधानी में 'मध्यम तीव्रता' के साथ महसूस किए गए। सलोमोन जारा ने सोशल मीडिया पर बताया कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद ग्वाटेमाला की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी (कॉनरेड) ने एहतियाती कदम उठाते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एजेंसी की ओर से ऑनलाइन साझा की गई तस्वीरों में यह दिखाया गया है। कॉनरेड ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें, अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और केवल आधिकारिक माध्यमों से मिली जानकारी पर भरोसा करें।

अमेरिकी हमले में चाबहार बंदरगाह का समुद्री ट्रैफिक कंट्रोल टावर नष्ट; ईरान ने किया पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका के ताजा हमलों में ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार बंदरगाह का समुद्री यातायात नियंत्रण टावर नष्ट हो गया है। ईरान ने इसे 'घृणित हमला' बताया और कहा कि यह हमला मछुआरों की आजीविका और क्षेत्र में आम नागरिकों की समुद्री सुरक्षा को निशाना बनाकर किया गया। ईरान ने तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन मिसाइलें दागकर एक 'पूरी तरह से नागरिक ढांचे' को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया कि यह हमला बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमले एक बार फिर पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड और वाशिंगटन की ओर से खुद बनाए गए अंतरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाते हैं। इस बीच, अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालांतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है।

बहरीन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का हमला; अमेरिका की नागरिकों से पश्चिम एशिया ना जाने की सलाह

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी है। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया, ताकि संयंत्र, कर्मचारियों और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन योजनाएं तुरंत लागू कर दी गई है और बिजली व पानी की आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

ईरान के 20 गांवों में पेयजल संकट से 10 हजार लोग प्रभावित : ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जास्क काउंटी स्थित बुंजी गांव में अमेरिकी हमले के बाद जल विलवणीकरण संयंत्र और समुद्री जल पंपिंग स्टेशन पूरी तरह तबाह हो गए। होर्मोजगान जल एवं अपशिष्ट जल कंपनी के सीईओ हमजेह पूर के अनुसार, इस हमले से करीब 20 गांवों के लगभग 10 हजार लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई को 'आतंकी हमला' बताते हुए कहा कि प्रभावित गांव गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, इकनाह ने यह भी दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं दूरसंचार केंद्र को भी नष्ट कर दिया गया। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान बंद : ईरान की ओर से हुए ताजा हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों के टेकऑफ और लैंडिंग संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। कुवैत एयरवेज ने यात्रियों को जारी नए अपडेट में इसकी जानकारी दी और कहा कि हालात सामान्य होने तक विमान संचालन प्रभावित रहेगा। इससे पहले एयरलाइन ने हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अपनी अधिकांश उड़ानों का समय पुनर्निर्धारित (रीशेड्यूल) करने की घोषणा की थी और यात्रियों से उड़ानों से जुड़े अपडेट पर लगातार नजर रखने की अपील की थी।

पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ इराक ने किए समझौते : इराक सरकार ने पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ कई अहम प्रारंभिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ तेल निर्यात के वैकल्पिक मार्ग विकसित करना है। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में आयोजित अमेरिका-इराक बिजनेस समिट के दौरान हुए इन समझौतों में इराक-सीरिया कच्चा तेल पाइपलाइन के पुनर्निर्माण की योजना भी शामिल है। यह लंबे समय से बंद पड़ी पाइपलाइन उत्तरी इराक के तेल समृद्ध किर्कुक क्षेत्र को सीरिया के भूमध्यसागरीय बंदरगाह बनियास से जोड़ती है। इराक इस परियोजना के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी निर्भरता कम कर वैकल्पिक निर्यात मार्ग तैयार करना चाहता है। इराक की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस परियोजना को अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेवरॉन अंजाम देगी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे 'उचित जवाबी कार्रवाई' के लिए तैयार रहें।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, ने ऐसे देशों से अपने नागरिक सुरक्षा तंत्र (सिविल डिफेंस) को सक्रिय करने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संभावित सैन्य ठिकानों से दूर ले जाने को कहा है। इन देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने के लिए किया जा रहा है। तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक की जमीनी सेना ने ड्रोन और मिसाइलों से कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य लॉजिस्टिक्स हब कैंप अरिफजान को निशाना बनाया, जिसमें वहां मौजूद सैन्यकर्मियों के हताहत होने का दावा किया गया है। इसके साथ ही ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर भी हमला करने, वहां की रडार प्रणाली को निष्क्रिय करने तथा हथियारों के रखरखाव वाले हैंगर और ड्रोन सुविधा को नष्ट करने का दावा किया है।

तीस्ता परियोजना पर बांग्लादेश ने क्यों थामा चीन का हाथ, भारत की चिंता की वजह क्या है?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने तीस्ता नदी परियोजना के लिए चीन का हाथ थाम लिया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस परियोजना की फीजिबिलिटी स्टडी कराने का समझौता किया। फिलहाल यह केवल शुरुआती अध्ययन है, लेकिन इसे चीन के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह परियोजना भारत के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। तीस्ता नदी का उद्गम सिक्किम के पूर्वी हिमालय में होता है। इसके बाद यह पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है और अंत में जमुना (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी में मिल जाती है। तीस्ता नदी की कुल लंबाई 414 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 113 किलोमीटर हिस्सा बांग्लादेश में बहता है, जबकि शेष भाग भारत (सिक्किम और पश्चिम बंगाल) में स्थित है।

यह नदी दोनों देशों के लिए सिंचाई, कृषि, पेयजल, मत्स्य पालन और बाढ़ नियंत्रण का प्रमुख स्रोत है। खासकर बांग्लादेश के उत्तरी जिलों की खेती काफी हद तक इसी नदी पर निर्भर है। हालांकि सर्दियों में पानी की भारी कमी और मानसून में बाढ़ यहां की सबसे बड़ी समस्या है।

तीस्ता को लेकर कौन से प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है बांग्लादेश : तीस्ता रिवर कॉम्प्रिहेंसिव मैनेजमेंट एंड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट बांग्लादेश की सबसे बड़ी नदी प्रबंधन परियोजनाओं में से एक है। अमेरिकी विश्वविद्यालय लॉक हेवन की रिसर्च के अनुसार, इस परियोजना का मकसद तीस्ता नदी को इस तरह विकसित करना है कि पानी का बेहतर इस्तेमाल हो सके और नदी से जुड़ी समस्याएं कम हों। इसके लिए सात मुख्य लक्ष्य तय किए गए हैं।

इस परियोजना की शुरुआत कब हुई : जुलाई 2019 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की चीन यात्रा के दौरान चीन ने तीस्ता परियोजना में सहयोग का आश्वासन दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने चीन की सरकारी पावर कंपनी के साथ तकनीकी सहयोग और लगभग 853 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता पर सहमति बनी। 2020 में शेख हसीना सरकार ने इस परियोजना का खाका पेश किया। लेकिन आर्थिक कारणों और भारत की सुरक्षा चिंताओं के चलते इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिली। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्रालय ने 2020 में आर्थिक संबंध प्रभाग (ईआरडी) को पत्र लिखकर इस परियोजना के लिए चीन से 983.27 मिलियन डॉलर (करीब 98.3 करोड़ डॉलर) का कर्ज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। यह ऋण सीधे टीआरसीएमआरपी को लागू करने के लिए मांगा गया है। अब तारिक रहमान सरकार ने चीन के साथ इस परियोजना को फिर से आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

जेडी वेंस के परिवार से परेशान हुई सीक्रेट सर्विस; उपराष्ट्रपति के किन मांगों पर एजेंटों ने जताई नाराजगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कई एजेंट कथित तौर पर उनकी बार-बार होने वाली अचानक यात्रा योजनाओं और आखिरी समय में बदले जाने वाले कार्यक्रमों से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन लगातार बदलावों से सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, टीम का मनोबल प्रभावित हो रहा है और सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं।

एमएस नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, एक घटना ने कई सुरक्षा एजेंटों को खास तौर पर नाराज कर दिया। बताया गया कि वेंस और उनके छोटे बेटे को गोल्फ सीखने के लिए वॉशिंगटन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक मरीन टू हेलीकॉप्टर से ले जाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि खराब मौसम के कारण यह उड़ान नहीं हो सकी, लेकिन केवल इस तरह का प्रस्ताव ही कई एजेंटों को हैरान कर गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एजेंट ने निजी संदेश में कहा कि यह पूरी तरह बेतुका है। माइक पेंस और कमला हैरिस ने कभी ऐसा नहीं किया। एक दूसरे एजेंट ने कहा कि वे लोग हर समय अपना कार्यक्रम बदल देते हैं। तय समय का पालन नहीं करते और इससे करदाताओं के लाखों डॉलर बेवजह खर्च होते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरीन टू हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने के लिए व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय की मंजूरी जरूरी होती है। वर्ष 2022 के पेंटागन के बजट के अनुसार, इस हेलीकॉप्टर को उड़ाने पर हर घंटे 16 हजार से 24 हजार 600 अमेरिकी डॉलर तक खर्च आता है। सूत्रों के अनुसार, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक रोक नहीं है, लेकिन इस तरह की यात्रा पहले कभी नहीं हुई। उनका कहना है कि ऐसी अचानक की गई मांगों से सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस, जो अमेरिका की सेकेंड महिला हैं, हाल ही में नया घर देखने के लिए वर्जीनिया के मिडलबर्ग कई बार हेलीकॉप्टर से गए। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र 9, 6 और 4 वर्ष है। रिपोर्ट के अनुसार, वे अपने चौथे बच्चे के आने का इंतजार कर रहे हैं।

पीओके में हो रही हिंसा पर ह की एंट्री: पाकिस्तान से मांगा जवाब; नेताओं की गिरफ्तारी और इंटरनेट बंदी पर सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है और प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष, त्वरित और व्यापक जांच कराने की मांग की है। जिनेवा से शुक्रवार को जारी बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि जुलाई के अंत में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अशांति की लहर देखने को मिल रही है। बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले

सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों की गई : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

जेएएसी पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया : बयान के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संगठन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान प्रशासन का आरोप है कि यह संगठन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहा था। प्रतिबंध के बाद संगठन के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

ह ने नागरिक अधिकारों को लेकर क्या चिंता जताई : संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने के अधिकार और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए छुट्टे नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर लगाए गए।

ईरान की यूएस को चेतावनी: अमेरिकी हमले जारी रहे तो 2-3 दिन में आएगी तबाही; क्या पूरे पश्चिम एशिया में फैलेगी जंग?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका दो से तीन दिनों तक ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी चरण में प्रवेश करेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 'युद्ध और वार्ता' की नीति समाप्त हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल अब केवल जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहेंगे। अमेरिकी ठिकाने और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के भीतर सुरक्षित नहीं रहेंगी। रेजाई ने कहा कि ईरान ने अब तक युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदलने से रोकने के लिए संयम बरता है। उन्होंने युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलकर अमेरिका पर गलत अनुमान लगाने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान विरोधी कार्रवाई जारी रखता है, तो ईरान जमीनी बलों सहित अतिरिक्त सैन्य क्षमताओं को तैनात करेगा और युद्ध का दायरा बढ़ जाएगा। रेजाई ने कुवैत, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित क्षेत्रीय देशों के लोगों से भी आगे तनाव बढ़ने से रोकने में मदद करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान चरण में भी, अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया बहुत तीव्र रही है। वहीं, चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरानी सैन्य अभियानों की तीव्रता बढ़ेगी। रेजाई ने कहा, 'अमेरिका को मिसाइल और ड्रोन हमलों की बढ़ती लहरों का इंतजार करना होगा।' उन्होंने वाशिंगटन को ईरान के खिलाफ किसी भी जमीनी अभियान के खिलाफ चेतावनी दी।

ईरान ने एक जहाज को निशाना बनाया : इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने शुक्रवार को बताया कि ईरानी सेना ने दिन में पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में एक उल्लंघन करने वाले जहाज को निशाना बनाया। एक जानकार सैन्य सूत्र का हवाला देते हुए, तसनीम ने कहा कि थाई ध्वज वाले जहाज ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर की नौसेना से आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना जलडमरूमध्य को पार करने का प्रयास किया और चेतावनियों को नजरअंदाज किया।

पिछले कई दिनों से, अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों के खिलाफ कई बार हमले किए हैं। यह दावा करते हुए कि वे हमले ईरानी सशस्त्र बलों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाने के जवाब में हैं। इनका उद्देश्य वाणिज्यिक जहाजों को धमकी देने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। ईरान ने इसके जवाब में पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें चलाई हैं।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को बनाया निशाना; होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बेहद कम

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी देश अब एक ऐसी आग में झुलस रहे हैं, जिसे बुझाना नामुमकिन लग रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सीधी चेतावनी के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने लगातार छठी रात ईरान को बमों से पाट दिया है। यह हमला कितना भीषण है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि अमेरिकी मिसाइलें ने इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने नहीं, बल्कि ईरान की लाइफलाइन कहे जाने वाले पुलों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है। रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास भारी तबाही हुई है, जिससे ईरान के कई शहरों का आपस में संपर्क पूरी तरह टूट गया है। जवाब में बौखलाए ईरान ने भी अमेरिकी बेस वाले बहरीन और कुवैत पर मिसाइलें और ड्रोन दागकर भीषण पलटवार कर दिया है। क्या अब खाड़ी के रास्ते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था ठप हो जाएगी।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को नष्ट करने का किया दावा : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालांतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है। इसके अलावा, यह कार्रवाई क्षेत्र के जलक्षेत्र में सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता को सुरक्षित करती है, सिवाय उन जहाजों के जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुवैत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ईरान ने उसके एक बिजली उत्पादन और समुद्री जल को पीने योग्य बनाने वाले (डिसैलिनेशन) संयंत्र पर हमला किया, जिससे स्टेशन को व्यापक नुकसान पहुंचा। कुवैत के बिजली, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, हमले के बाद आग लग गई और बिजली उत्पादन की कई इकाइयों को बंद करना पड़ा। हालांकि, मंत्रालय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ संयंत्र को दोबारा चालू करने के प्रयास जारी हैं। कुवैत में करीब 90 प्रतिशत पेयजल समुद्री जल के डिसैलिनेशन से प्राप्त होता है, ऐसे में इस तरह का हमला देश की जल आपूर्ति और आवश्यक सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने होर्मोजगान प्रांत में रेलवे के एक महत्वपूर्ण बिंदु को हुए नुकसान के चलते बंदर अब्बास स्टेशन से यात्री ट्रेनों के परिचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है।

कनाडा के धुएं पर भड़के ट्रंप: नया टैरिफ लगाने की दी धमकी, क्या जंगल की आग से यूएस को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी। इसके साथ ही ओटावा पर अपने जंगलों का प्रबंधन करने में विफल रहने और जंगल की आग के धुएं को संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैलने देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा बताया।

ट्रंप ने कनाडा पर क्या आरोप लगाए : ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा 'हम कनाडा को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वे अपने जंगलों और उनमें उगने वाली झाड़ियों का ठीक से रखरखाव नहीं कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अनावश्यक रूप से गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से प्रभावित हो रहा है, जिसकी गुणवत्ता खतरनाक और बिल्कुल अस्वीकार्य है।'

प्रधानमंत्री कार्नी से करेंगे बात : उन्होंने यह भी कहा कि वे स्पष्टीकरण मांगने और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा 'मैं दिन में प्रधानमंत्री को फोन करके पता लगाऊंगा कि वे इस बारे में क्या करने वाले हैं। इसकी लागत का अंदाजा लगाना मुश्किल है।'

क्या अमेरिका को अरबों का नुकसान हुआ है: ट्रंप ने कनाडा पर पर्याप्त वन प्रबंधन और मलबा हटाने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए इसे जानबूझकर की गई लापरवाही करार दिया। इसके साथ ही दावा किया कि बार-बार होने वाली जंगल की आग के धुएं से संयुक्त राज्य अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, 'इस प्रदूषण की लागत को कनाडा की ओर से वर्तमान में भुगतान किए जा रहे टैरिफ में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए।

नासा ने क्या बताया : ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय आईं जब कनाडा में लगी सैकड़ों सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं सीमा पार करके अमेरिका के कई राज्यों में फैल गया, जिससे वायु गुणवत्ता संबंधी चेतावनी जारी की गई। नासा के अनुसार, कनाडा में लगी लगभग 850 सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं, जिसमें ओंटारियो में लगी 180 से अधिक आग भी शामिल है, ऊपरी मध्यपश्चिम से लेकर उत्तरपूर्व तक फैले अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों में फैल चुका है।

कनाडा के कितने जंगलों में लगी आग : कैनेडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर ने बताया कि शुक्रवार को कनाडा भर में लगभग 888 जंगल की आग लगी हुई थी, जिनमें से अधिकांश पर काबू पाना असंभव था। इनमें से 190 से अधिक आग ओंटारियो में लगी थीं। जंगल की आग से निकले धुएं ने मिनेसोटा, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, ओहियो और न्यूयॉर्क सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आईक्यूएयर के अनुसार, शुक्रवार को डेट्रॉइट में दुनिया की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जिसके बाद शिकागो, वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क का स्थान रहा। टैरिफ लगाने की धमकी कई रिपब्लिकन सांसदों की आलोचना के बाद आई है, जिन्होंने कनाडा पर बार-बार लगने वाली जंगल की आग के धुएं को अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए पर्याप्त कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। ट्रंप की नया नवीनतम टैरिफ चेतावनी पर कनाडाई अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों की है। वहीं, प्रीमियर डग फोर्ड ने वाशिंगटन से कनाडा की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बजाय अतिरिक्त सहायता भेजने का आग्रह किया। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगल की आग से निकलने वाला धुआं मुख्य रूप से मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, न कि राजनीतिक सीमाओं से।

टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. पैट्रिक जेम्स ने कहा, 'मौसम को अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से कोई लेना-देना नहीं है।' इसके साथ ही बताया कि हाल के वर्षों में अमेरिका में लगी भीषण जंगल की आग से निकलने वाले धुएं ने कनाडा को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों ने आगे कहा कि वर्तमान में लगी कई आग कनाडा के विशाल, दूरस्थ जंगलों में जल रही हैं।

एक नजर

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर ने किया वृक्षारोपण

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की ओर से पद्मावती पार्क, निर्माण नगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ जिसके तहत करीब 250 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में पीडीजी लायन अंजना जैन, रीजन चेयरपर्सन लायन उपमा सारस्वत एवं जोन चेयरपर्सन लायन रानी पाटनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। क्लब के अध्यक्ष लायन सुरेन्द्र गुप्ता, सचिव प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष मनीष शर्मा सहित 70 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। क्लब के अध्यक्ष ने बताया कि वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षक सिर्फ हरियाली का ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरा भरा एवं सुरक्षित भविष्य देने का व्रत है। लायन अजय सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर क्लब की नारी शक्ति द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक 'पेड़ बचाओ - जीवन बचाओ' आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही लायन अल्पना श्रीवास्तव ने पर्यावरण पर एक गीत भी प्रस्तुत किया। लायन वंदना शर्मा ने साल भर में 1000 पौधों के रोपण के अपने संकल्प की घोषणा की। लायन योगेंद्र गुप्ता एवं लायन महेंद्र बैराठी ने क्लब द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की भूरी भूरी सराहना की।

शेखावाटी, जैसलमेर, बांसवाड़ा सहित अन्य नए स्थलों पर किया जाए फोकस : दिया कुमारी

राजस्थान को वर्ष पर्यन्त वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने पर जोर

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान को अब केवल 6 महीने नहीं, बल्कि वर्ष पर्यन्त वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए जयपुर, जोधपुर और उदयपुर के साथ-साथ शेखावाटी, जैसलमेर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, भरतपुर और पुष्कर जैसे पर्यटन स्थलों को भी वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में एक्सप्लोर किया जाए।

दिया कुमारी रविवार को जयपुर के कूकस स्थित एक होटल में आयोजित इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और उदयपुर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहले से ही विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन राजस्थान की ब्रांड पहचान को और विस्तार देने के लिए अन्य पर्यटन स्थलों को भी इस मानचित्र पर लाना आवश्यक है। शेखावाटी की हवेलियां, जैसलमेर का रेगिस्तान, बांसवाड़ा-डूंगरपुर की प्राकृतिक सुंदरता, भरतपुर का वन्यजीव और पुष्कर की धार्मिक आभा - ये सभी स्थल वेडिंग टूरिज्म के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वेडिंग टूरिज्म को वर्षभर बढ़ावा मिलने से स्थानीय कारीगरों, होटल, ट्रांसपोर्ट और इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

मुख्य सचिव ने वीसी के माध्यम से ली समीक्षा बैठक

सभी अस्पताल आवश्यक स्टेंडर्ड प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना करें, प्रसव के बाद अगले 24 घंटे धात्री महिला की गहन निगरानी की जाए

उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की नामवार लिस्ट को एएनएम से करें मैप

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की नामवार लिस्ट तैयार करें। साथ ही एएनएम तथा सीएचओ को प्रत्येक हाईरिस्क गर्भवती महिला के साथ नियमित मॉनिटरिंग के लिए अटैच करें। आवश्यकता होने पर रेफरल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रदेशभर के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों एवं जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारियों को सोमवार को सुबह एएनएम की बैठक लेकर लाईनलिस्ट और उसके कारणों की समीक्षा के निर्देश दिए। ताकि समय रहते आवश्यक इंटरवेंशन किया जा सके।

मुख्य सचिव ने रविवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों एवं गायनी विभागाध्यक्षों को पिछले 24 घंटों में सामान्य व सिजेरियन प्रसव एवं उनकी वर्तमान हालत के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक चिकित्सालय में प्रसव सहित विभिन्न ऑपरेशन्स के लिए स्टेंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर्स की पालना सुनिश्चित करें। इस दौरान विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों ने लेबर रूम प्रोटोकॉल, इंफेक्शन कंट्रोल, एनस्थीसिया, बोयोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, कोल्ड चैन मैनेजमेंट, रैफरल प्रोटोकॉल आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश के सभी अस्पतालों में आवश्यक प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रसव के बाद अगले 24 घंटे धात्री महिला की इंटेसिव निगरानी रखने एवं उसके पोषण का समुचित रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि चिकित्सा विभाग द्वारा संचालित किए गए अभियान में विभिन्न गतिविधियां संचालित की गयी हैं। जुलाई माह में सीकर, नागौर, जालौर, बांसवाड़ा एवं चूरू जिले में सबसे अधिक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाएं चिन्हित की गयी हैं। उन्होंने कहा कि जिन गर्भवती महिलाओं के सीवियर एनीमिया है और जिनकी ड्यू डेट आने वाली है, उन्हें अगले आवश्यकता अनुसार ब्लड ट्रांस्फ्यूजन या एफसीएम इंजेक्शन या अल्टरनेट दिवस में आयरन शुक्रोज इंसर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें माईल्ड या सामान्य स्थिति में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में 6 ग्राम या इससे कम हीमोग्लोबिन और कोई उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार जानकारी एएनएम के साथ-साथ जिले के आरसीएचओ एवं सीएमएचओ द्वारा रखी जाए। इन गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एएनएम द्वारा प्रत्येक तीसरे दिन जांच की जानी आवश्यक है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए प्रसव नियोजन जैसे उनकी स्वास्थ्य स्थिति के मुताबिक आवश्यक अस्पताल का चयन, प्रसव की तिथि की जानकारी एवं रेफरल जैसी व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान रखा जाए कि गर्भवती महिला के ममता कार्ड पर पूर्ण एवं सही जानकारी स्पष्ट भाषा में अंकित की जानी आवश्यक है।

बैठक में आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बाबूलाल गोयल, प्राचार्य एसएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. दीपक माहेश्वरी, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

राजस्थान के निवेश प्रोत्साहन प्रयासों पर लगी राष्ट्रीय मुहर

नीति आयोग के निवेश अनुकूलता सूचकांक में राजस्थान का शानदार प्रदर्शन

निवेश अनुकूलता में 'अग्रणी राज्यों' में शामिल हुआ राजस्थान

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मुहर लगी है। नीति आयोग द्वारा जारी निवेश अनुकूलता सूचकांक में राजस्थान को 'अग्रणी राज्य' की श्रेणी में स्थान मिला है। समग्र रैंकिंग में राज्य देशभर में 10वें तथा बड़े राज्यों में 8वें स्थान पर रहा। वहीं, बड़े राज्यों की श्रेणी में नियमों के सरलीकरण में राजस्थान ने दूसरा, निवेश प्रोत्साहन नीतियों में तीसरा तथा संसाधनों के क्षेत्र में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। यह राज्य में निवेश को बढ़ावा देने, उद्योगों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने और कारोबार को आसान बनाने की दिशा में किए गए सुधारों का परिणाम है।

राज्य में उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने, निवेशकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने, औद्योगिक भूमि, आधारभूत सुविधाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए गए हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब नीति आयोग की रिपोर्ट में भी

दिखाई दिया है। बड़े राज्यों की श्रेणी में नियामकीय सुगमता के क्षेत्र में राजस्थान ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

राज्य सरकार ने निवेशकों को तेज, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज निवेश पोर्टल को लगातार सुदृढ़ किया है। वर्तमान में इस पोर्टल पर 18 विभागों की 190 सेवाएं उपलब्ध हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पोर्टल पर कुल 34,704 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 30 जून तक कुल 30 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 17 हजार से अधिक का निस्तारण किया जा चुका है। इस अवधि में आवेदनों के निस्तारण की समग्र दर 64 प्रतिशत रही, जबकि सर्वाधिक उपयोग वाली 11 प्रमुख सेवाओं में यह दर 68 प्रतिशत रही। साथ ही, प्रमुख सेवाओं के औसत निस्तारण समय में कमी दर्ज की गई है। प्रदेश में नए विद्युत कनेक्शन की औसत स्वीकृति अवधि पिछले वित्तीय वर्ष के 20 दिनों से घटकर 10 दिन हो गई है, इसी प्रकार पर्यटन परियोजनाओं की स्वीकृति अवधि 22 दिनों से घटकर 16 दिन हो गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने की दिशा में राज्यों में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नीति आयोग ने 'निवेश अनुकूलता सूचकांक' तैयार किया है। प्रधानमंत्री ने जुलाई 2024 में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में राज्यों के लिए निवेश-अनुकूल ढांचा विकसित करने पर जोर दिया था। इसके बाद केंद्रीय बजट 2025-26 में निवेश अनुकूलता सूचकांक विकसित करने की घोषणा की गई। यह सूचकांक राज्यों में निवेश के लिए उपलब्ध वातावरण का आकलन करते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

पिछले ढाई वर्षों में 30 से अधिक नई नीतियां लागू

राज्य सरकार द्वारा पिछले ढाई वर्षों में निवेश और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 30 से अधिक नई नीतियां लागू की गई हैं। इनमें एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन, टेक्सटाइल एवं अपैरल, लॉजिस्टिक्स, स्वच्छ ऊर्जा, डेटा सेंटर, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस एवं डिफेंस जैसी सेक्टर आधारित नीतियां शामिल हैं। साथ ही, इसमें कई ऐसे क्षेत्र भी शामिल हैं, जिनके लिए राजस्थान में पहली बार नीतियां बनाई गई हैं। इन्हीं व्यापक नीतिगत सुधारों का परिणाम है कि नीति आयोग ने निवेश प्रोत्साहन के लिए बनाई गई सरकारी नीतियों के मामले में बड़े राज्यों की श्रेणी में राजस्थान को देश में तीसरा स्थान दिया है।

राजस्थान में निवेशकों का विश्वास लगातार हो रहा मजबूत

नीति आयोग के इस सूचकांक की विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकारी आंकड़ों के आधार पर ही मूल्यांकन नहीं किया गया है, बल्कि देशभर के निवेशकों से प्राप्त सुझावों और अनुभवों को भी शामिल किया गया है। इस कारण यह रिपोर्ट निवेशकों की वास्तविक धारणा को भी सामने लाती है। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि राजस्थान में निवेशकों का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है और राज्य निवेश के लिए अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय तथा उद्योग-अनुकूल गंतव्य के रूप में उभरा है।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा से की वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात, सफाई कर्मचारी भर्ती पर हुई चर्चा

द अनकवर्ड अपडेट

अलवर। राजस्थान सरकार के वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा से रविवार को अलवर स्थित सर्किट हाउस में वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर नगर निगम में लंबित सफाई कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री शर्मा को अवगत कराया कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया लंबित होने के कारण अनेक अभ्यर्थी रोजगार से वंचित हैं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान करने का आग्रह किया।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा नगर निगम में लंबित सफाई कर्मचारी भर्ती का यथाशीघ्र निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नगर निगम अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं ताकि भर्ती प्रक्रिया में आ रही बाधाओं को दूर कर इसे शीघ्र पूर्ण किया जा सके। शर्मा ने कहा कि इस विषय को लेकर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव भी गंभीर हैं और वे स्वयं इस मामले की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर भर्ती प्रक्रिया का शीघ्र समाधान निकाला जाएगा, जिससे पात्र अभ्यर्थियों को जल्द लाभ मिल सके।

प्रतिनिधिमंडल ने उनकी मांगों पर सकारात्मक आश्वासन देने के लिए वन राज्य मंत्री संजय शर्मा का आभार व्यक्त किया तथा शीघ्र भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने की उम्मीद जताई।

इसके उपरान्त वन राज्यमंत्री शर्मा ने गुरुनानक वाटिका में अपने प्रतिदिन पौधारोपण करने के संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से हरियालो राजस्थान अभियान संचालित किया गया है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी सहभागिता निभाते हुए पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपना नैतिक दायित्व निभाएं।

भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन का हुआ लोकार्पण

सनातन संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से भावी पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणा : मदन दिलावर

आगामी शैक्षणिक सत्र से विद्यालय में विज्ञान संकाय प्रारंभ करने की घोषणा

द अनकवर्ड अपडेट

जोधपुर। जोधपुर जिला प्रभारी मंत्री एवं शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) तथा पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिराई (भोपालगढ़) में आयोजित 'भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन' के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए।

समारोह में सतगुरु स्वामी सुंदरदासजी महाराज, पाली सांसद पी.पी. चौधरी, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, ओसियां विधायक भैराराम सियोल, उपस्थित रहे।

ट्रस्ट के जनकल्याणकारी कार्य सराहनीय

जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बिराई आकर वे अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा निरंतर जनकल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। क्षेत्र में किसी भी प्रकार का संकट अथवा परेशानी आने पर यह ट्रस्ट

सदैव आगे बढ़कर जरूरतमंदों की सहायता करता है। समाज के प्रति ट्रस्ट की सेवा भावना और जनकल्याणकारी गतिविधियां सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को सुंदरदासजी महाराज का निरंतर आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। संतों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से समाज में सेवा, सद्भाव, संस्कार और मानवीय मूल्यों को मजबूती मिलती है।

गौरवशाली इतिहास से परिचित कराएगा पुनरुत्थान भवन

दिलावर ने कहा कि अनंत सुखरामजी ट्रस्ट द्वारा भव्य 'भारतीय सनातन संस्कृति पुनरुत्थान भवन' का निर्माण किया गया है। यह भवन वर्तमान और भावी पीढ़ियों को भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं तथा सनातन जीवन मूल्यों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास त्याग, तपस्या, शौर्य और बलिदान की असंख्य गाथाओं से परिपूर्ण है। महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की आन, बान और शान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। ऐसे महापुरुषों के जीवन और संघर्ष से हमें राष्ट्र, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण में अर्धघुमंतू जातियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके संघर्ष, त्याग और योगदान को स्मरण करना तथा नई पीढ़ी को इसकी जानकारी देना हम सभी का दायित्व है।

जबरन धर्मांतरण की रोकथाम के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार ने जबरन धर्मांतरण की रोकथाम के लिए कानून लाया है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप जीवन जीने का अधिकार है। सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए समाज को भी जागरूक और संगठित रहना होगा।

पर्यावरण संतुलन के लिए अधिकाधिक पौधरोपण जरूरी

दिलावर ने पर्यावरण संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे मानव जीवन के साथ-साथ वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। निरंतर पेड़ों की कटाई से पर्यावरण असंतुलित हो रहा है और लोगों का जीवन कठिन होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हमें विभिन्न प्रजातियों के अधिकाधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए। पेड़-पौधों से पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होती है, वर्षा की संभावनाएं बढ़ती हैं, वनस्पतियों और जीव-जंतुओं को संरक्षण मिलता है तथा धरती के जल स्तर में वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के लोग पानी की कीमत को भली-भांति जानते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। पर्यावरण और जल का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है।

गौ-संरक्षण हमारा नैतिक कर्तव्य

जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि गौ माता का संरक्षण और संवर्धन करना भी हम सभी का कर्तव्य है। समाज को गौ-संरक्षण के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए इसके प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना चाहिए।

संस्कार एवं नैतिकता से युक्त शिक्षा पर सरकार का जोर

दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों से युक्त शिक्षा प्रदान करने की दिशा में भी तैयारियां कर रही है। शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील, अनुशासित और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले तथा विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो।

विद्यालय में प्रारंभ होगा विज्ञान संकाय

इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने आगामी शैक्षणिक सत्र से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिराई में विज्ञान संकाय प्रारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विज्ञान संकाय प्रारंभ होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को विज्ञान विषय की पढ़ाई के लिए अन्य स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सकेगी।

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव एवं वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने चातुर्मास मंगल प्रवेश कार्यक्रम में की शिरकत

द अनकवर्ड अपडेट

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव तथा राजस्थान सरकार के वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर स्थित जैन मंदिर में आयोजित पावन चातुर्मास मंगल प्रवेश कार्यक्रम में शिरकत कर उन्होंने ने परम पूज्य जैन मुनि सौम्य सागर महाराज ससंघ के दर्शन कर उनको श्रीफल भेंट किया तथा प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया तथा धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ आध्यात्मिक वातावरण का लाभ लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि चातुर्मास का पावन पर्व भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। यह आत्मचिंतन, संयम, साधना, आत्मशुद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जैन संतों का तप,

त्याग और अनुशासित जीवन समाज को सत्य, अहिंसा, करुणा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि संतों का सान्निध्य मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। चातुर्मास के दौरान होने वाले धार्मिक प्रवचन, साधना एवं सेवा के विविध कार्यक्रम समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं तथा लोगों को सदाचार, आत्मानुशासन और परस्पर सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाज के गणमान्य नागरिक एवं जैन समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादकः बुधमती गोस्वामी एवं संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइटः www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।